प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

सुख में और दुख में आनंद में और कष्ट में हमें हर जीव के प्रति वैसी ही भावना रखना चाहिए जैसा कि हम अपने प्रति रखते हैं.

भगवान महावीर

वर्ष-03, अंक -30 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 29 अप्रैल 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

कोरोना रुपी सांप सीढ़ी के खेल में हमें सांपों से बचना ही होगा

माही की गूंज, संजय भटेवरा

कोरोना महामारी का दूसरा चरण सुनामी के रूप में सामने आया है। सरकार और आम जनता ने पहली लहर का जिस प्रकार से मुकाबला किया उससे तो यही लग रहा था कि हमने कोरोना पर काबू पा लिया है और वैक्सीन आने के बाद से तो सरकार के साथ ही आम जनता यह मान चुकी थी कि, कोरोना पर विजय प्राप्त कर ली गई है। नतीजा सरकार के साथ ही आम जनता भी लापरवाह हो गई थी, लेकिन जिस प्रकार सांप सीढ़ी के खेल में 99 पर भी सांप रहता है और साप सीढी खलने वाले यह जानते हैं कि 99 वाला सांप सीधे 02 पर पहुंचा देता है।

कुछ इसी तरह कोरोना की भी सांप सीढ़ी चल रही थी, हमें लग रहा था कि हम मंजिल की तरफबढ़ रहे हैं और 99 वाले सांप ने हमें 02 पर पहुंचा दिया, यानी कोरोना की दूसरी सुनामी ने हमारी पूरी तैयारियों और सावधानियों को पीछे छोड़ते हुए हमें पुनः पुरानी से भी ज्यादा भयावह स्थिति पर लाकर खड़ा कर दिया है। अतः हमें इस कोरोना की सांप सीढ़ी में पूरी सावधानी से आगे बढ़ना है और बीच-बीच के सांपों से बचते हुए हमें मंजिल तक बढ़ना है।

चुनाव नहीं लोगों की जान बचाना ज्यादा जरूरी

निश्चित रूप से चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है और स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए चुनाव आवश्यक है, लेकिन क्या लोगों की जान की कीमत पर चुनाव करवाना उचित है, कोरोना के बीच चुनाव करवाना सरकार और चुनाव आयोग की सबसे बड़ी भूल है और चुनाव के दौरान ही संक्रमण की लहर ने सुनामी का रूप ले लिया। बेहतर यही हो कि आगे इस बात का ध्यान रखा जाए। अब वह समय आ गया है जब देश की जनता, नेता एक देश एक चुनाव के बारे में गंभीरता के साथ चिंतन करें क्योंकि कोरोना की यह जड हाल-फिलहाल खत्म होना संभव नहीं लगता है और बार-बार चुनाव करवाना कोरोना को दावत देने के समान घातक साबित हो सकता है।

दूसरी लहरः सरकार और चुनाव आयोग जिम्मेदार

ऐसे आयोजन, सभाएं व हाट बाजार कोरोना संक्रमण को दे रहा बढ़ावा...

मेले और हाट बाजार का विकल्प तलाशना आवश्यक

भारत गांवों का देश है और ग्रामीण भारत में हाट बाजार और मेले का अपना विशेष महत्व है। लेकिन अब समय की आवश्यकतानुसार इसके विकल्प पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि कोरोना भीड़-भाड़ से ही फलता-फूलता है और हाट बाजार में ही भीड़-भाड़ अधिक रहती है। गत वर्ष जनता कर्फ्यू के बाद से ही सभी हाट बाजार व मेले प्रतिबंधित कर दिए गए थे, जिसके बाद अनलॉक के दौरान हाट बाजारो में छूट मिली और छूट मिलने के बाद ही साप्ताहिक हाट बाजार सामान्य रूप से पूर्व की तरह लगने लग गए थे। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए इसका विकल्प तलाशना आवश्यक है यही नहीं अन्य विकल्प मिलने तक इसे स्थाई रूप से स्थगित ही रखा जाना चाहिए।

शादी समारोह भी निर्धारित संख्या के आधार पर ही हो सम्पन

हाट बाजारो की तरह ही अनलॉक के बाद शादी समारोह भी पूर्व की तरह विस्तृत समारोह का आयोजन होना प्रारंभ हो गया था। चुकि फिर हाट बाजारो के बंद के साथ शादी समारोह को भी दुसरी लहर में सिमित संख्या में करने के निर्देश पारीत किए, क्यो न कोरोना जब तक जड से खत्म न हो जाए तब तक स्थाई रूप से शादी समारोह व अन्य होने वाले बडे आयोजनो को सिमित संख्या में ही आयोजित किया जाना चाहिए, इन सभी व्यवस्थाओ को संख्यातम्क रूप से नियंत्रीत कर ही इस कोरोना महामारी से हम पुरी तरह से निजात पा सकते है।

सरकार का अति आत्मविश्वास घातक बना

पहली लहर के साथ सफलतापूर्वक मुकाबला करने के बाद सभी स्तरों पर लापरवाही शुरू हो गई थी, लेकिन सरकार दूसरी लहर का पूर्वानुमान करने में पूरी तरह विफल रही जिस प्रकार बीच चुनाव में रैलिया रद्द की गई और बीच कुंभ में इस प्रतीकात्मक रखने की अपील की गई। वह अगर समय के पूर्व कर ली जाती तो शायद दूसरी लहर का इतना विकराल रूप हमें न देखना पड़ता।

अब आगे क्या ?

निश्चित रूप से दूसरी लहर इतने विकराल रूप में होगी इसका अंदाजा न तो सरकार को था और न ही आम जनता को लेकिन इस दूसरी लहर ने एक बार फिर हमारे सामने एक नया स्वरूप पैदा कर दिया है, जिससे पार पाना फिलहाल मुश्किल ही नजर आ रहा है। लेकिन कहावत है कि, ''मन के जीते जीत है और मन के हारे हार'' अर्थात हमें मानसिक रूप से मजबूत रहना पड़ेगा तभी हम इस महामारी से दृढ़ता पूर्वक मुकाबला कर सकते हैं। हमें न केवल कोरोना के खिलाफसरकारी गाइडलाइन का पूरी ईमानदारी से पालन करना है, बरन टीकाकरण में भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाना है, वही निश्चित रूप से आने वाले कुछ वर्षों तक हमारी दिनचर्या में बदलाव भी लाना ही पड़ेगा, कोरोना को हराने के लिए हमें अपने जीवन शैली में बदलाव लाना ही होगा, साथ ही हमें एक दूसरे का मनोबल भी बढ़ाना होगा। हम अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भले ही न मिल पाए लेकिन उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि, संकट के इस समय में भले ही हम उनके पास ना हो लेकिन उनके साथ अवश्य है, उनका हौसला बढ़ाएं और उनके संपर्क में अवश्य रहे निश्चित रूप से हम कोरोना की इस जंग में विजई होंगे ऐसा विश्वास सभी में पैदा करना होगा।

''जीतेगा भारत-हारेगा कोरोना''

न्यूज ब्रीफ

ऑक्सीजन लेकर बोकारो से पहुंची स्पेशल ट्रेन भोपाल, मिलेगी बड़ी राहत

भोपाल।

कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मरीजों की वजह से प्रदेश में ऑक्सीजन की किल्लत हो गई है, जिसकी वजह से इसकी आपूर्ति अन्य राज्यों से की जा रही है। इसी बीच बोकारो से संजीवनी लेकर पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन भोपाल पहुंची। इस ऑक?सीजन एक्सप्रेस में छह टैंकर हैं, जिसमें 64 मीट्रिक टन ऑक्सीजन है. इसमें से एक टैंकर ऑक?सीजन जबलपुर, तीन टैंकर सागर और दो टैंकर मंडीदीप भोपाल के लिए पहुंचाई गई है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन में 6 टैंकर ऑक?सीजन बोकारो से आरओ-आरओ पद्धति से मध्यप्रदेश के लिए रवाना हुई और रात 1 बजे जबलपुर पहुंची. यहां पर जबलपुर के लिए एक टैंकर को भेड़ाघाट में अनलोड किया गया. इसके बाद सागर(मकरोनिया) में विशेष रैम्प से देर रात तीन से चार बजे ऑक्सीजन के तीन टैंकर अनलोड हुए. इसके बाद यह ट्रेन भोपाल पहुंची, जहां मंडीदीप में ऑक्सीजन के दो टैंकर अनलोड हुए।

शिवराज सरकार का ऑनलाइन क्लासेस पर बड़ा फैसला

भोपाल।

कोरोना महामारी के बीच प्रदेश के स्कूली शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लिया। राज्य में कक्षा 1 से 9 वीं व 11 वीं की संचालित हो रहीं ऑनलाइन कक्षाओं को रद्द कर दिया गया है। कक्षा 10 वीं व कक्षा 12 वीं की कक्षाएं नियमित रूप से ऑनलाइन माध्यम से ही संचालित होंगी।

सरकारी व प्राइवेट सभी स्कूलों के लिए फैसला-प्रदेश सरकार ने कुछ दिनों पहले ही फैसला लेते हुए 10 वीं व 12 वीं बोर्ड की परीक्षाएं आगामी आदेश तक निरस्त की थीं। वहीं अब फैसला लिया है कि, प्रदेश की सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में संचालित ऑनलाइन कक्षाएं अब नहीं होंगी, इनमें सीबीएसई, आईसीएसई, माध्यमिक शिक्षा मण्डल व अन्य किसी बोर्ड से संबंधित स्कूलों को भी शामिल किया गया है। यह निर्णय 1 मई से 31 मई तक के लिए लिया गया, इसमें कक्षा 10 वीं व 12 वीं को छूट दी गई। विभाग की ओर से बताया गया है कि, बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों को छोड़कर शेष सभी कक्षाओं के लिए यह निर्णय है। कोरोना महामारी काल में विद्यार्थियों में भय एवं तनाव की स्थिति निर्मित हो रही है, इसी कारण स्कूलों में संचालित सभी ऑनलाइन कक्षाओं को निरस्त किया जाता है।

दिल्ली का बॉस बदल गया, अब ऑक्सीजन की कमी का जिम्मेदार कौन होगा

नई दिल्ली।

जिस दिन दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी में कोरोना मरीजों के इलाज में हो रही लापरवाही के लिए आम आदमी पार्टी सरकार को फटकार लगाई, उसी दिन देर रात केंद्र सरकार ने एक नोटिफिक्रेशन जारी कर 'दिल्ली का बॉस' बदल दिया। संसद में पारित कानून के मंगलवार को लागू होने के बाद अब दिल्ली का आधिकारिक 'बॉस' उपराज्यपाल होगा। तो अब राजधानी में होने वाली किसी अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार कौन होगा- मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल या उपराज्यपाल अनिल बैजल? सबसे बड़ी बात कि बॉस बदल जाने से दिल्ली का भाग्य कितना बदलेगा?

उपराज्यपाल के विरुद्ध अपील नहीं कर सकेगी दिल्ली सरकार

कानून के जानकार दिल्ली हाईकोर्ट के अधिवक्ता दर्शन शर्मा के अनुसार कानून में हुआ यह बदलाव प्रतीकात्मक ज्यादा है। व्यावहारिक तौर पर दिल्ली के सारे प्रशासनिक कामकाज करने की जिम्मेदारी अभी भी अरविंद केजरीवाल सरकार के पास ही रहेगी। सरकार अपनी योजनाएं बना सकेगी और उसे लागू भी कर सकेगी। लेकिन किसी भी योजना को लागू करने के पहले उसे उपराज्यपाल से सहमति लेना अनिवार्यता रहेगी, जिससे दिल्ली सरकार अब तक बचने की कोशिश करती रही थी।

दोस्ती की मिसालः 14 सौ कि.मी. का सफर तय कर कोरोना से तड़पते दोस्त के लिए लाया ऑक्सीजन

नई दिल्ली, ऐजेंसी।

देश में कोरोना की दूसरी लहर बेहद जानलेवा हो चुकी है। अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की भारी कमी देखी जा रही है। वहीं कई अस्पतालों ने ऑक्सीजन की कमी के कारण मरीजों को भर्ती करने से भी मना कर दिया है। इसके चलते लोग मर रहे हैं। इस बीच दोस्ती और इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए एक शख्स ने जो किया वह सराहनीय है। दरअसल 38 साल के स्कूल टीचर देवेंद्र, अपने दोस्त रंजन अग्रवाल के लिए एक ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर झारखंड के बोकारो से नोएडा पहुंचे। लगभग 24 घंटों तक 14 सौ किलोमीटर गाड़ी चलाकर वह दोस्त की मदद को पहुंचे। देवेंद्र को रास्ते में एक बार बिहार और एक बार यूपी पुलिस ने रोका लेकिन मामला समझने के बाद उन्हें जाने दिया गया। हालांकि बोकरा में भी ऑक्सीजन सिलेंडर मिलना आसान नहीं था। देवेंद्र ने शहर में कई ऑक्सीजन प्लांट और सप्लायर से पता किया, लेकिन उन्होंने कहा कि, उन्हें फिर से खाली सिलेंडर ही मिल सकेगा। आखिर में वह बालीडीह औद्योगिक क्षेत्र में झारखंड स्टील ऑक्सीजन प्लांट के संचालक तक पहुंचे। तकनीशियन ने उन्हें पूरा सिक्योरिटी डिपॉजिट लेकर सिलेंडर देने पर सहमति जताई। उन्हें 10000 का सिलेंडर और 400 की ऑक्सीजन मिली। देवेंद्र ने बताया कि, उनके दोस्त अब बेहतर हैं और जल्द डिस्चार्ज हो जाएंगे।

मदद का हाथ बढ़ाते चलो, अंधे सिस्टम का सच दिखाते चलो- राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना महामारी के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक दूसरे की सहायता करने की अपील की है। ट्वीट करते हुए उन्होने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है और तंज किया है कि, मदद करते हुए अंधे 'सिस्टम' का सच भी उजागर करना जरूरी है। राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा है कि, एक-दूसरे की सहायता करते आमजन दिखाते हैं कि किसी का दिल छूने के लिए हाथ छूने की जरूरत नहीं। मदद का हाथ बढ़ाते चलो इस अंधे 'सिस्टम' का सच दिखाते चलो। इसी के साथ उन्होने कहा कि, ये समय कोविड से लड़ाई का है, न कि राजनीतिक लड़ाई का। उन्होने कहा कि, मोदी सरकार को ये समझना चाहिए कि, ये समय कोरोना से लड़ने का है, कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों से लड़ने का नहीं।

7 मई तक बढ़ा कोरोना कर्फ्यू

भोपाल।

अब 7 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू रहेगा। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 7 मई तक कोरोना कर्फ्यू का कड़ाई से पालन कराए। प्रदेश के कुछ जिलों में नए पॉजिटिव केस निरंतर बढ़ रहे हैं। प्रदेश के इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में इन केसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। संक्रमण की चेन तोड़ने में सबसे ज्यादा कारगर उपाय कोरोना कर्फ्यू है। जनता को प्रेरित कर इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। जनता कर्फ्यू कोई लॉकडाउन नहीं है, जनता द्वारा स्वयं संक्रमण से सुरक्षा के लिए लिया गया निर्णय है। श्री चौहान ने कहा कि, जिलों के जिन क्षेत्रों में संक्रमण दर अधिक है वहा किल कोरोना अभियान-2 चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत रीवा, सीहोर, सतना, रायसेन, दतिया, अनूपपुर, नीमच, शिवपुरी, नरसिंहपुर और श्योपुर आदि जिले हैं। संक्रमण प्रभावित क्षेत्रों में माइक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र घोषित कर संक्रमण को वहीं रोक दें। सर्वे में संभावित मरीजों को तत्काल मेडिकल किट एवं सावधानी संबंधी ब्रोशर उपलब्ध करावाकर होम आईसोलेट कराए।

न हुई विदाई न सजी कार और दुर्घटना में दुल्हे की हुई मौत

भिंड। मध्यप्रदेश के भिंड जिले में शादी वाले दिन घर की खुशियां मातम में बदल गईं. यहां विदाई के लिए कार सजवाने गए दूल्हे की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार की दोपहर अटेर पोरसा हाइवे पर किन्नोठा गांव के पास हुआ, दूल्हे के परिजनों को जब इसकी खबर लगी तो कोहराम मच गया। भिंड के कृष्णा कॉलोनी के रहने वाले सोनू वाल्मीकि की शादी मुरेना ज़िले के पोरसा के कन्नोठ गांव में तय हुई थी, घर से सोमवार को बारात कन्नोठ गई, सभी रस्मों के साथ विवाह भी सम्पन्न हुआ. लेकिन विदाई से पहले सोनू अपनी बुआ के बेटे अरुण (20), अर्जुन (22) निवासी नदीगांव, मनीष (18), अभिषेक (5) निवासी मुरलीपुरा, जीजा राज (26) निवासी इटावा के साथ कार सजवाने के लिए पोरसा जा रहे थे। गाड़ी ड्राइवर वीरेंद्र चला रहा था कि सामने से तेज रफ्तार आ रही कार को ओवरटेक करने से सोनू की गाड़ी अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार दो हिस्सों में फट गई. जिससे कार में सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसे के दौरान मौक़े से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत इस घटना की जानकारी डायल 100 को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची डायल 100 ने सभी को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया. लेकिन दुल्हा सोनू की हालत गंभीर होने की वजह से उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया जिसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

किसानों को शिवराज ने दी बड़ी राहत

भोपाल। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को बड़ी राहत दी है, सीएम ने कहा कि, जिन खरीदी केन्द्रों में 5 मई तक खरीदी होनी थी, अब वहा 15 मई तक खरीदी का कार्य किया जाएगा। बता दें कि श्री चौहान ने खरीदी की अवधि बढ़ाने और पोर्टल को शनिवार को खुला रखने के कार्य किए है, खरीदी केन्द्रों की क्षमता के अनुसार किसानों को एसएमएस भेजे जा रहे है, ताकि केन्द्रों पर भीड़ इकट्ठा न हो. प्रदेश में कुल सत्यापित 24 लाख 65 हजार किसानों में से 16 लाख 5 हजार किसानों को सरकार की तरफसन्देश भेजा गया है। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि, प्रदेश के 7 लाख 32 हजार किसानों से 10 हजार 596 करोड़ रूपए का 53 लाख 69 हजार मीट्रिक टन खाद्यान्न की खरीदी हो चुकी है। वहीं किसानों को 6 हजार 683 करोड़ रूपए का भुगतान भी किया गया है. भुगतान 5 दिन की अवधि में किया जा रहा है। प्रदेश में 4 हजार 588 खरीदी केन्द्रों द्वारा खरीदी का कार्य किया जा रहा है. सभी 94 सेक्टरों में उपार्जन ऐजेंसी द्वारा परिवहनकर्ता नियुक्त किए गए है।

भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा की तैयारी, जिले के कई बड़े नेताओं के नाम गायब

लक्ष्मण पुराण के कारण अटकी थी घोषणा, कोविड के चलते नही हुई घोषणा

माही की गूंज, झाबुआ

कोरोना संक्रमण के बीच भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा जल्द ही हो सकती है। भाजपा जिलाध्यक्ष पर महिला द्वारा लगे गम्भीर आरोपो के साथ-साथ अन्य राजनीतिक आरोपो के बीच जिलाध्यक्ष की टीम की घोषणा रुकी पड़ी थी।

संघ के प्रभाव से जैसे-तैसे भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक अपने पद को फिलहाल तो बचाने में कामयाब हो गए, लेकिन कोरोना संकट के बीच नई टीम की घोषणा नही हो सकी थी। अब एक बार फिर नई कार्यकारिणी चर्चाओ में है। राजनीतिक सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार इस बार कार्यकारिणी से कई चर्चित चेहरे गायब है। वही कार्यकारिणी में गुटीय राजनीति का प्रभाव भी देखने को मिल सकता है। सांसद, प्रदेश मंत्री, जिलाध्यक्ष ने अपने-अपने हिसाब से अपने पक्ष के समर्थकों को फिट करने में कामयाबी हासिल की है। सबसे महत्वपूर्ण जिला महामंत्री पद के लिए पेटलावद के ग्रामीण मण्डल से नाम चुना जाना तय हो

चुका है, जो सांसद खेमे में है। जबकि एक उपाध्यक्ष का नाम तय हो सकता है एवं एक नाम झाबुआ का हो सकता है जो अभी तक किसी संगठन के पद पर नही रहा है। महामंत्री की दौड़ में कई भाजपा नेता थे जिनके अरमानो पर पानी फिर गया है। आठ लोगो को जिला उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है जिसमे जिलाध्यक्ष के करीबी राजमल पडियार, वर्तमान जिला महामंत्री प्रवीण सुराणा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भानु भूरिया जैसे नाम शामिल है। तीनो विधानसभा से एक-एक महिला भी इस बार जिलाउपाध्यक्ष बनाई जा सकती है, सूत्रों के मुताबिक कोरोना से जंग हार चुकी पेटलावद की भाजपा नेत्री सोनिया ओसारी को भी जिलाउपाध्यक्ष बनाया जाने वाला था। जिला मंत्री पद के आठ पदों में से चार पेटलावद और ग्रामीण मण्डल के खाते में जा सकते हैं, जबकि प्रदेश मंत्री संगीता सोनी की ओर से नाम जिला मंत्री के लिए शामिल किया जा सकता है, पूरी सूची में सांसद गुमानसिंह का प्रभाव होना तय है। जिला कोषाध्यक्ष के पद के लिए भी सांसद के करीबी का नाम लिया जा सकता है।

पूर्व विधायकों की अनदेखी, भाजपा में फूट के आसार

बताया जा रहा है, जिला कार्यकारिणी की घोषणा में जिले के तीनों पूर्व विधायकों सहित जिले के प्रभावी नेताओ की भारी अनदेखी की सम्भावना है। कई विवादित चेहरों को शामिल किया है, जिसके बाद भाजपा में फूट के आसार बढ़ गए हैं। कोविड-19 के दौरान भाजपा ने जिन नेताओ को जिम्मेदारी दी, उनके नाम कार्यकारिणी में नही है बताया जा रहा है।

व्यापारियों पर मामला दर्ज, बेवजह घूमने पर वसूला अर्थदंड

माही की गूंज, रायपुरिया

पुलिस अधिक्षक आशुतोष गुप्ता, एसडीओपी सोनू डावर के निर्देश पर रायपुरिया पुलिस लगातार कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने के लिए लगी हुई है। रोजाना पुलिस बेवजह घूमने तथा समान दे रहे व्यापारियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। लेकिन आपदा में अवसर तलाश रहे ऐसे व्यापारी बाज नही आ रहे है। थाना प्रभारी तेजमल पँवार ने बताया कि, अशोक पिता कालूराम प्रजापत तथा राजेश पिता रामस्वरूप बघेल निवासी मोहनकोट अपनी किराना दुकान पर भीड़ इकट्ठा कर समान बेच रहा था। इसी तरह अन्य 7 लोगों पर बाजार में बेवजह भीड़ इकट्ठी कर घूमने पर कार्रवाई हुई है जिससे कोविड 19 के सक्रमण फैलने की पूर्ण सम्भावना पाए जाने पर धारा 144 के उलंग्घन, 188 भादवी 269, 270 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 51 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं मोहनकोट में बेवजह घूमने वाले 36 लोगो पर चार हजार सौ रुपए का अर्थदंड वसूल किया गया तथा 2 घंटे अस्थाई जेल में रखकर छोड़ दिया गया और मास्क भी बांटे गए। दरअसल थाना प्रभारी श्री पँवार द्वारा लाउड स्पीकर के जरिए प्रचार प्रसार किया जा रहा है, उपरोक्त अपराधियो द्वारा अगर पुनः इस प्रकार कोरोना प्रोटोकॉल का उलग्घन किया पाया जाएगा तो इनके विरुद्ध रासुका की कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी श्री पँवार ने जनता तथा व्यापारियों से अपील की है कि, आप सतत मास्क लगाए रखे, बेवजह घरों से बाहर नही आए, दो गज दूरी का पालन करे।

झोलाछाप डॉक्टर शटर के अंदर कर रहा था इलाज, मामला दर्ज हुआ मकान मालिक उर्फ किराना व्यापारी पर

पत्रकार की शिकायत पर हुई कार्रवाई अब पुलिस व पत्रकार दोनों को नहीं छोड़ेंगे की दी जा रही धमकी

माही की गूंज, खवासा/भामल

रविवार को थांदला एसडीओपी श्री गवली खवासा पुलिस के साथ क्षेत्र में कॉविड संक्रमण की रोकथाम हेतु भ्रमण पर निकले कि, भामल में एक बंद शटर के आगे अत्याधिक चप्पल-जूते देखकर पुलिस ने शंका जाहिर की कि अंदर अत्याधिक लोग हैं तो क्यों है? कि सोच के साथ गाड़ी से उतरकर पुलिस उक्त बन्द शटल के पास मकान मालिक भेरूलाल चौहान की चल रही चक्की की आवाज सुनकर भेरूलाल चौहान की दुकान के अंदर दरवाजा खोलकर पुलिस अंदर घुसी, तो भेरूलाल चौहान अनाज पिसाई के साथ ग्राहक को किराना सामान बिस्किट, अगरबत्ती, बीड़ी, माचिस आदि करीब 51 रुपए का सामान देते पाया गया, जिस पर खवासा पुलिस ने भेरूलाल चौहान पर मामला दर्ज कर लिया। परंतु पड़ोस में भेरू लाल चौहान द्वारा किराए से दी गई दुकान में झोलाछाप डॉक्टर अजय शर्मा मरीजों को अंदर बिठाकर एलोपैथिक इलाज कर उनकी जान से खिलवाड़ कर रहा था, जिन मरीजों के चप्पल-जूते शटल के बाहर देख पुलिस उत्तरी पुलिस के

फाईल फोटोः पिछले लॉकडाउन में झोलाछाप अजय शर्मा के यहां पुलिस पहुंची थी पर भेरू चौहान ने मामला करवाया था रफा-दफा।

इस वर्ष भी पहुची पुलिस पर डॉक्टर पर कोई कार्रवाई नहीं।

आने के बाद भेरूलाल चौहान के उधर पुलिस के घुसते ही सभी मरीज वहां से भाग निकले और पुलिस में झोलाछाप डॉक्टर अजय शर्मा के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की। वही भामल में ही पुलिस ने भेरूलाल चौहान के भाई शंभू चौहान की बंद दुकान के आगे भी चप्पल-जूते देखकर पुलिस अंदर घुसी हो ग्राहक को अंदर बिठाकर मोबाइल रिपेयरिंग करते हुए शंभू चौहान का लड़का पाया गया, जिस पर पुलिस ने चालानी कार्रवाई की। लेकिन पिछले वर्ष के लॉकडाउन में भी दोनों भाई ने अपना व्यापार व्यवसाय लॉकडाउन के दौरान करते रहे। वहीं पिछले वर्ष भी उक्त झोलाछाप डॉक्टर अजय शर्मा शटर बंद कर बड़ी संख्या में मरीजों का इलाज कर रहा था, जिसमें पुलिस ने सरेआम बिना डिग्री के फर्जी इलाज कर रहे है कहकर पुलिसिया रूप में कहा था। बावजूद भैरू चौहान ने पुलिस से सेटिंग करवाकर डॉक्टर के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होने दी। परंतु इस वर्ष पुलिस की रूटीन कार्रवाई के साथ डॉक्टर को बचाकर खुद पर प्रकरण बनने एवं भाई शंभू के पुत्र पर चालानी कार्रवाई होने पर दोनों भाई गांव में बौखलाहट के साथ अपने रुतबे को बताने का प्रयास जोर-जोर से करते नजर आ रहे हैं। बता दें कि, पुलिस की कार्यवाही के बाद स्थानीय पत्रकारों ने कार्रवाई के संबंध में खवासा पुलिस से जानकारी ली और पुलिस ने अपनी बचकानी हरकतों के साथ संबंधितो को पत्रकारों के फोन आते हैं, तो प्रकरण बनाना पड़ता है कहकर, भैरू चौहान को चौकी पर बुलाकर मामला दर्ज किया। जिस पर भेरू चौहान, पत्रकार पर आरोप लगाते हुए जोर-जोर से चिल्ला कर व लोगों को इकट्ठा कर कहने लगा कि, मेरे विरुद्ध पत्रकार की शिकायत के बाद ही मामला दर्ज हुआ है और मैं पत्रकार को नहीं छोडूंगा और सारे पैसे प्रकरण में खर्च होने वाले वसूल भी करूंगा। वही भामल के एक पत्रकार पर उक्त झोलाछाप डॉक्टर से दो-दो हजार रुपए तीन बार दिलवाने की बात कहकर पत्रकार को धमकी एवं दबाने का प्रयास करने में कोई चूक नहीं कर रहा है। वही शंभू चौहान सार्वजनिक रूप से चिल्ला-चिल्लाकर अपने झूठे रोब को स्थापित रखने के लिए कह रहा है कि, पुलिस ने हमारे विरुद्ध चालानी कार्रवाई किस आधार पर कर दी, मैं सीसीटीवी फुटेज निकालकर पुलिस के विरुद्ध कोर्ट में कार्रवाई करूंगा के साथ धमकियां दे रहे हैं। मामले में गूंज कार्यालय से बात की तो, भेरू चौहान ने कहा, शिकायत किसी पत्रकार के कहने पर ही मेरे विरुद्ध कार्रवाई हुई है, यह सही नहीं किया वही दो-दो हजार रुपए तीन बार झोलाछाप डॉक्टर से भी दिलवाने की बात पत्रकार के बारे में कहीं। इस संबंध में झोलाछाप डॉक्टर अजय शर्मा से गूंज कार्यालय से 9752471575 पर बात कि, क्या ऐसा गलत कार्य या गलत इलाज करते हो तो पत्रकार को दो-दो हजार रुपए तीन बार दिए? बिना डिग्री के एलोपैथिक इलाज करने वाले झोलाछाप डॉक्टर ने कहा, मैं एलोपैथिक नहीं होम्योपैथिक इलाज करता हूं, मैंने तीन बार दो-दो हजार रुपए नहीं दिए, एक बार ही पेपर और विज्ञापन के पैसे दिए हैं। होम्योपैथिक डिग्री है तो व्हाट्सएप पर भेजने की बात कही, पर झोलाछाप डॉक्टर ने वह डिग्री भी नहीं बताई।

निरंतर...
उक्त झोलाछाप डॉक्टर के राजस्थान के कारनामे अगले अंक में...

पेनशनर ऐसोशियन ने जोबट विधायक सुश्री भूरिया को दी श्रद्धाजंली

माही की गूंज, झाबुआ

कलावती भूरिया पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जोबट विधायक के निधन पर पेनशनर ऐसोशियन ने श्रद्धाजंली दी। पेनशनर ऐसोशिसन के अध्यक्ष रतनसिंह राठौर ने श्रद्धाजंली देते हुए कहा कि, सुश्री भूरिया में नेतृत्व करने की क्षमता थी वे अविभाजीत झाबुआ-अलीराजपुर जिले का नेतृत्व जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में कर चुकी थी, वे क्षेत्र की जटिल से जटिल समस्याओं को अपनी मानकर शासन-प्रशासन में स्पष्ट वादिता के तथ्यपूर्ण रूप से समाधान करने में व्यक्तिगत रूची रखती थी, भले ही वह किसी भी वर्ग समुदाय की समस्या हो। उनके द्वारा हमेशा गरीब, लाचार एवं वृद्वजनों के लिए कार्य किया है। वे हर समस्या के निदान हेतु सदा तैयार रहती थी। ऐसोशियन के भेरूसिंह सोलंकी ने श्रद्वाजंली देते हुए कहा कहा कि, वे सुश्री भूरिया के साथ कार्य कर चुके है उन्हे यह सदा याद रहेगा, उनकी कार्य शैली निडर होकर कार्य करने की थी। उनके द्वारा बिना किसी भेदभाव के सभी आम जनता के लिए कार्य किया जाता था। केके त्रिवेदी ने श्रद्वाजंली देते हुए कहा कि, वे एक निर्भीक महिला थी जनसमस्याओं के निराकरण करने में वह किसी स्तर पर संघर्ष करना पडा हो वह डगमगाई नहीं और समाधान का रास्ता निकाल ही लेती थी। डॉ. एलएस राठौर ने श्रद्वाजंली देते हुए कहा कि, वे स्पष्टवादी दूरदर्शिता वाली महिला थी, वे झाबुआ-अलीराजपुर जिले के साथ प्रदेश स्तर तक भी कार्य हेतु निरन्तर प्रयास करती थी। ऐसोशियन के अन्य पदाधिकारी बालमुकुन्द चौहान, पीडी रायपुरिया, रूपसिंह खपेड, सुभाष दुबे, बहादुरसिंह जनार्दन शुक्ला, श्यामसुन्दर कसेरा, नाथसिंह चौहान, अरविन्द व्यास, भागीरथ सतोगिया आदी ने भी कलावती भूरिया को अपनी ओर से भावभीनी श्रद्वाजंली प्रदान करते हुए पुण्यात्माओं श्री चरणों में स्थान प्रदान करने हेतु प्रार्थना की।

सेनेटाइजर का किया छिड़काव

माही की गूंज, अमरगढ़

कोरोना महामारी की दूसरी लहर में कोविड-19 संक्रमण से ग्रसित मरीजों के लिए ऑक्सीजन व रेमडेसिविर इंजेक्शन कारगर साबित हो रहा है, वही इस वायरस से बचाव के लिए सेनेटाइजर, मास्क व हैंड वॉश का उपयोग किया जा रहा है। ग्राम पंचायत अमरगढ़ द्वारा पूरे ग्राम में ट्रैक्टर में लगे छिड़काव करने के पम्प से सेनेटाइजर का छिड़काव किया गया। बता दे कि, जिले में कोरोना कर्फ्यू लगने के साथ ही ग्रामवासियों द्वारा ग्राम में सेनेटाइजर के छिड़काव की मांग की जा रही थी जो अब जाकर पूरी हुई। ग्राम में सेनेटाइजर का छिड़काव सरपंच, उपसरपंच, सचिव व रोजगार सहायक ने अलग-अलग स्थानों पर अपने हाथो से किया।

भाजपा नेत्री पूर्व जिला मंत्री सोनिया ओसारी का निधन, माँ और बेटी दोनों काल के गाल में समाए

माही की गूंज, पेटलावद

कोरोना का कहर इस कदर बड़ चुका है कि, अब परिवार के परिवार उजड़ने लगे हैं। लगातार अब इसी तरह की खबरे सुन व पड़कर मन विचलित हो रहा है। पेटलावद नगर में ही बुधवार को कोरोना से तीन की मृत्यु हो चुकी है, पहली मृत्यु निर्मल कुमार मेहता की पत्नि की हुई, उनका इलाज मंदसौर के हॉस्पिटल मे चल रहा था। वही एक ही परिवार मे दो महिला की मृत्यु हो गई, नगर के वार्ड

क्रमांक 15 मे रहने वाली सोनिया औसारी और उनकी माताजी का स्वर्गवास हो गया। इधर पेटलावद मे सोनिया की माता का अंतिम संस्कार करके घर आए ही थे कि, झाबुआ हॉस्पिटल मे एडमिट सोनिया की मृत्यु का समाचार सुनने को मिला, सोनिया की मृत्यु का समाचार सुनकर हर कोई स्तब्ध हो गया, सोनिया भाजपा की सक्रिय महिला कार्यकर्ता थी।

पूर्व जिला मंत्री ओसारी लगातार थी सक्रिय-सोनिया ओसारी भाजपा की सक्रिय महिला नेत्री होकर भाजपा की महिला विंग में महत्त्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं। गत दिनों पेटलावद नगर परिषद की सीट महिला अजजा के लिए तय होने के बाद से भाजपा की राजनीति में लगातार सक्रिय थी, भाजपा के छोटे से छोटे आयोजन में उपस्थिती देकर अपनी सक्रियता दिखा रही थी। सोनिया ओसारी के निधन पर भाजपा में शोक का माहौल है। पूर्व विधायक निर्मला भूरिया और भाजपा महिला जिलाअध्यक्ष आरती भानपुरिया ने सोनिया ओसारी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

पेट की आग में मौत से भी डर नही, मजदुर करे रहे पलायन

सरकार की अनदेखी मजदुरो को कोरोना कर्फ्यू के दौरान भी कर रही पलायन को मजबुर

माही की गूंज काकनवानी, नरेश पंचाल

कोरोना महामारी के इस दौर में शासन की और से गरीब मजदूरों को भी किसी प्रकार का रोजगार नहीं मिलने पर पूरे पलवाड़ क्षेत्र से गुजरात के सूरत, बड़ौदा, अहमदाबाद, वापी वलसाड, आदि के लिए मजदूरों ने पलायन शुरू कर दिया है। सुबह दो बस सूरत के लिए और दो बस अहमदाबाद व बड़ौदा के लिए जा रही है, वही शाम को दो बस भरकर जाती है, इसी प्रकार पूरा के पूरा गांव पलायन कर चुका हैं। मजदूरों का कहना है कि, यहां सरकार हमें कोई काम नहीं दे रही है और जो काम मनरेगा द्वारा दिया जा रहा है उसमें 200 रूपए एक हाजिरी पर मिलते है और वह भी समय पर नहीं मिलते है। नेता अपने घर के लोगों की हाजिरी भर-भरकर पैसा स्वयं निकालकर डकार जाते हैं। हम अगर गुजरात में जाते हैं तो वहां पर हमें कड़िया काम करने में 700 रूपए और मजदूरों को 500 रूपए मिलते हैं, वहां पर हमें मजदूरी अधिक मिलती है जिससे हमारा परिवार खुशहाल और सुख शांति से रहता है।

मजदूरों की व्यथा यही कहती है कि, हम लोगों को गुजरात जाने के अलावा दूसरा कोई रास्ता ही नहीं है। मजदूरों से बात करने पर मजदूरों ने कहा है कि, इस कोरोना वायरस महामारी से भले ही न मरे लेकिन हम बिना काम और अनाज के घर में ही मर जाएंगे। सरकार हमारी कोई मदद नहीं कर रही है, नेता चुनाव के समय आते हैं और बड़ी-बड़ी बातें करते हैं और चले जाते हैं लेकिन हमें कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। सरकार ने सोसाइटी से गेहूं व अन्य खाद्य पदार्थ देने का कहा है लेकिन सोसाइटी वाले भी

हमें नहीं दे रहे हैं सारा का सारा गेहूं व अनाज की कालाबाजारी हो जाती है, दिनभर सोसाइटी पर लाइन में लगने के बाद शाम को खाली हाथ ही वापस आना पड़ता है। नेता अपने बंगलों में बैठे एसी में आराम कर रहे हैं तो मजदूर पलायन कर रहे हैं, इस पलायन और महामारी की वजह सिर्फ और सिर्फसत्ता को पाने की कोशिश करने वाले नेता ही है जिन्होंने इस महामारी को फैलने में बढ़ावा दिया है। अगर यह महामारी फैलते ही लॉकडाउन या बॉर्डर सील कर दी जाती एवं होली के दिनों में आने वाले भगोरिया पर्व व शादियों पर रोक लगा दी जाती तो आज इस पलवाड़ क्षेत्र में लोगों की मृत्यु दर इतनी अधिक नहीं बढ़ती। शासन-प्रशासन के आंकड़े शुन्य बताते हैं लेकिन हकीकत अगर ग्रामीण क्षेत्र में गांव-गांव जाकर देखा जाए तो पता चलता है कि, रोजाना सैकड़ों लोग मर रहे हैं, जिनकी कोई गिनती नहीं है कोई देख-रेख करने वाला भी नहीं है। सुविधा के अभाव में आज ग्रामीण अंचल में लोग इतने भयभीत हो चुके हैं कि, अगर किसी की मृत्यु होती है तो उसके पास तक नहीं जाते हैं और न ही उस लाश को उठाकर शमशान तक ले जाने की कोई हिमाकत करता है।

भगोरिया पर्व को हमारा विशेष पर्व बताकर इन नेताओं ने आज गरीब लोगों की कमर तोड़ दी है व हर घर में लाशें बिछाने जैसा काम कर दिया है। गरीब तबके के लोग जितने परेशान हैं इन नेताओं को कहीं भी नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीण अंचल में लोग प्राईवेट डॉक्टरों से भी इलाज करवा-करवाकर थक गए हैं, झाबुआ या गुजरात के दाहोद व आस-पास के बड़े हॉस्पिटल में गरीब लोगों की कोई सुनवाई नहीं होती है, जहां उन्हें फटकने तक नहीं दिया जाता है, ऐसे में भला गरीब व्यक्ति कहां जाएगा?

घर के भीतर पेयजल संकट, बाहर निकले तो कोरोना का भय, आखिर जनता जाए तो कहां जाए

पीएचई विभाग आखिर क्यों कर रहा ग्राम पंचायत के साथ सौतेला व्यवहार

ग्राम पंचायत पेयजल को लेकर स्थाई समाधान की बजाए अस्थाई समाधान में कर रही हजारों रुपए खर्च

माही की गूंज, झकनावदा आनंद सिंह सौलंकी

वैश्विक महामारी कोविड-19 के इस दौर में झकनावदा एक बड़े संकट से सामना करते नजर आ रहा है। घर के बाहर निकले तो कोरोना संक्रमण का डर और घर के भीतर रहे तो पेयजल की समस्या का सामना करना पड रहा है। ऐसी ही समस्या से झकनावदा ग्राम पंचायत के ग्रामीणजन पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। ग्राम पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों को प्रत्येक वार्ड में करीब पंद्रह से 20 दिनो में पेयजल व्यवस्था उपलब्ध करवाई जा रही है। झकनावदा की इस पेयजल व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाया जा सकता था, लेकिन पीएचई विभाग की उदासीनता के चलते यह व्यवस्था ठप होती नजर आ रही है। इससे लगता है कि, पीएचई विभाग ग्राम पंचायत झकनावदा के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि, ग्राम पंचायत व जनप्रतिनिधियों द्वारा पीएचई विभाग से पेयजल हेतु बोरवेल तो मंजूर करवा कर लगवाए भी गए व पेयजल समस्या का समाधान करने के लिए प्रत्येक मोहल्ले में पानी की टंकी भी रखवाई गई, जो स्थाई समाधान नही है। यदि पीएचई विभाग, जनप्रतिनिधि व ग्राम पंचायत अगर जितना पैसा

झकनावदा में बोरवेल के पीछे खर्च कर चुकी है। उतना ही पैसा यदि झकनावदा से महज 5 किलोमीटर दूर श्रगेंश्वर माही परियोजना बेक वाटर से पाइप लाइन बिछाकर झकनावदा पेयजल व्यवस्था करवा देते तो आज इस भीषण गर्मी में पेयजल का संकट उभर कर सामने नहीं आता।

बता दें कि, माही परियोजना का पानी रतलाम व धार जिले तक पहुंच रहा है। माही डैम से बैक वाटर झकनावदा से मात्र 5 किलोमीटर दूरी पर होने के बाद भी झकनावदा की जनता प्यासी नजर आ रही है। यह पीएचई विभाग पर एक बड़ा सवालिया निशान है। उक्त मामले में श्रीमती सपना अनिल कोठारी का कहना है कि, पेयजल समस्या को लेकर मैरे द्वारा कलेक्टर व सीओ को फोन पर अवगत भी करवाया गया था। लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं की गई। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती दुर्गा नंदलाल पडियार का कहना है कि, पेयजल समस्या को लेकर हमारे द्वारा कई बार ग्राम में चक्का जाम कर ग्राम पंचायत का घेराव किया व उच्च अधिकारियों को अवगत भी करवाया गया, लेकिन आज तक इसका कोई स्थाई समाधान नहीं निकला। वहीं ग्राम पंचायत झकनावदा सचिव भीम सिंह कटारा का कहना है, मैरे द्वारा पीएचई विभाग को पेयजल संकट को लेकर अवगत करवा दिया गया है। मैरी पिछले 15 दिनों से तबीयत बिगड़ी पड़ी है, मैं अभी पूर्ण रूप से स्वस्थ नही हूं।

बढ़ता कोरोना बना आमजन की परेशनी का सबब

माही की गूंज, थांदला

वर्तमान में कोरोना महामारी ने विकराल रूप धारण किया हुआ है कहा जा रहा है कि, कोराना संक्रमण गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष बड़े रूप में अपना पैर पसार चुका है। जिसके लिए प्रशासन भी इसकी रोकथाम हेतु लगा हुआ है। एक ओर टीकाकरण तो वही दूसरी ओर स्वास्थ्यकर्मी एवं पुलिसकर्मी सभी अपने भविष्य की चिंता किए बिना दिन-रात अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे है।

एसडीएम सुश्री ज्योति परस्ते ने बताया कि, नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रो में लॉकडाउन लगा हुआ है, आमजन इस लॉकडाउन अवधि में अपने घरो में रहकर सुरक्षित रहे। किसी व्यक्ति को कोरोना के लक्षण नजर आ रहे है तो बिना किसी संकोच के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचे एवं जांच करवाएं। जांच के दौरान जो व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाए जा रहे है उनसे बात करे उन्हें बिल्कुल भयभीत एवं चिंतित न होने दे, चिकित्सको द्वारा दी गई सलाह के आधार पर अपना उपचार जरूर करवाएं। वहीं प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी विकास डावर ने बताया कि, थांदला नगर के सम्पूर्ण वार्डो में साफ-सफाई, दवाई का छिड़काव, सेनेटाइजर का कार्य, रात्रि में फॉगिंग मशीन से धुआं किया जा रहा है। नगर के संम्पूर्ण नागरिको से यही आशा है की आप प्रशासन को सहयोग करते रहिए, अपने घरों में रहकर सुरक्षित रहिए, शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशो का पालन अवश्य करें। श्री डावर ने जनता से अपील की है कि, शासन 18 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों हेतु 1 मई से टीकाकरण का अभियान प्रारम्भ करने जा रही है जिसमे हमें टीकाकरण करवाकर इस अभियान का हिस्सा बनना है।

अनूठे तरीके से मनाई शादी की 39 वीं सालगिरह

माही की गूंज, थांदला

नगर के इंद्रपुरी कॉलोनी में रहने वाले कन्हैयालाल पालीवाल ने अपनी शादी की 39 वी सालगिरह बड़े ही अनूठे तरीके से मानाई। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कई जरूरत की सामग्रियों का अभाव है। उसी के मद्देनजर डॉक्टरों से परामर्श लेकर पालीवाल दंपत्ति ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कोविड केंद्र पर 5 ऑक्सिमिटर व 3 बीपी मीटर डोनेट किए है, जो आज की विकट परिस्थिति में काफी मददगार उपकरण साबित होंगे।

पालीवाल दम्पत्ति के द्वारा किया गया यह डोनेशन कार्य अन्य लोगो के लिए एक सिख है, क्यों न हम भी इस विकट परिस्थिति में जहा हॉस्पिटल एक संजीवनी का कार्य कर रहा है वहां जरूरत के उपकरणों का दान करे। क्यों न हम हमारे जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या किसी की पुण्यतिथि पर जनहितार्थ के लिए कुछ ऐसा करे जो लोगो के लिए मददगार साबित हो। बता दे कि, पूर्व में जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कम्पनी ने 5 लाख रूपए के उपकरण हॉस्पिटल को डोनेट किए थे। पालीवाल दम्पत्ति ने इस अवसर पर उक्त उपकरणों को दान कर अपने आपको काफी खुशनसीब महसूस कर रहे है। उनका कहना है कि, इस तरह से प्रसंगों को मनाकर हम एक नेक कार्य कर सकते है, जिससे निश्चित ही मन को शांति मिलती है। इस अवसर पर डॉ. कमलेश परस्ते, डॉ. मनीष दुबे, डॉ. अनिल राठोर, पंकज खतेडिया, कोविड अटेंडर उपस्तिथ थे।

कोरोना इफेक्टः राजस्थान, यूपी, बिहार से रोजी रोटी की तलाश में आए लोग अपने घर लोटने को मजबुर

माही की गूंज मेघनगर, भूपेंद्र जैन

कोरोना की दूसरी लहर में हर व्यक्ति परेशान है, कुछ कहा नही जा सकता कि, यह दुसरी लहर कहां तक जाकर खत्म होगी और अपने पीछे कैसा मंजर छोड़ कर जाएगी। सरकार ने कोरोना महामारी को आपदा घोषित कर रखा है और हर आपदा अपने पीछे कभी न भुलने वाला मंजर छोड़ जाती है।

सामान्यतः सभी छोटे व्यापारी अपना जीवन यापन रोज की होने वाली कमाई के आधार पर करते है, उसी में से कुछ खर्च होता है तो कुछ बचत। कुछ व्यक्ति अपनी छोटे-मोटे रोजगार से अपने व अपने परीवार का पालन-पोषण करते है जैसे कि, पानी पुरी वाला, जुस वाला, कुल्फी वाला आदि। और यह सत्य है कि, लॉकडाउन में इन्हीं लोगो पर बड़ा संकट आकर खड़ा है।

नगर में आस-पास के गांव व राजस्थान, यूपी, बिहार से आए हुए मजदूर, दुकानदार कोई जुस की दुकान लगाता है तो कोई पानी पूरी की, कोई ठेला गाड़ी पर भजिए, जलेबी बेचता तो कोई आलू बड़े, पोहे समोसे का नाश्ता बनाकर अपनी छोटी सी दुकान चलाता है। जो अब लॉकडाउन के चलते वापस अपने घर जाने को मजबुर है, क्योंकि रोजगार ठप्प पड़ा है। कुछ इसी प्रकार आस-पास के गांवो से आए दाढ़ी-कटिंग की दुकान लगाने वाले नाई भी यहां से अपने गांव जा रहे हैं। लॉकडाउन लगने के बाद इन सभी का कमाने का जरिया बंद हो जाने से यह सारे व्यक्ति अपने गांव की ओर जा रहे हैं। सभी का कहना है कि, मकान का भाड़ा एवं खर्च की व्यवस्था के साथ कमाई नहीं हो पाने से हम अपने-अपने घर जा रहे है, कमाएंगे नहीं तो खाएंगे क्या। यही इन सबका कहना है।

उत्तर प्रदेश से आए जुस की दुकान लगाने वाले बृजेश कुमार का कहना है, हम टेंट में जुस की दुकान लगाकर अपना व्यापार करते हैं एवं किराए के मकान में रहते हैं, इन दोनों के खर्चे भी पूरे नहीं हो पा रहे हैं, इसी को देखते हुए हम अपने गांव जा रहे हैं।

यही हाल जौनपुर के रहने वाले इरशाद का भी है। उनका यह कहना है, हमारे पास जो कमाए हुए पैसे थे वह भी खर्च हो गए एवं अब हम ट्रेन में रिजर्वेशन करवाकर हम अपने गांव जा रहे हैं, वही कुछ काम धंधा करेंगे और अपने परिवार को पाल लेंगे।

पुट्ट तलाब हनुमान मंदिर | बुद्धि हनुमान मंदिर | कांटे वाला हनुमान मंदिर

हनुमान जन्मोत्सव पर किया मंदिरों का आकर्षक श्रंगार

माही की गूंज, मेघनगर

नगर से कुछ दूरी पर स्थित वनेश्वर मारुति नंदन मंदिर पुरतलाब पर मंदिर का आकर्षक श्रंगार किया गया। पूजा, हवन आदि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए की गई जिसमें कम संख्या में लोग मौजूद रहे। मंदिर के महंत मुकेश दास महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि, सरकार के निर्देशों के चलते पूरे प्रोटोकाल का पालन करते हुए इस बार सिर्फनाम मात्र लोगों ने ही यहां आकर आरती में सहभागिता की। इस अवसर पर सुरेशचंद जैन ने नगर जिले व प्रदेशवासियों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र के खुशहाल, सुरक्षित और स्वस्थ रहने की प्रार्थना की। वहीं नगर के श्री राम दल अखाड़ा के निकट स्थित श्री बल बुद्धि दाता हनुमान मंदिर पर पुजारी गब्बू प्रजापति ने मंदिर पर हनुमान महाराज को चोला चढ़ाया एवं मंदिर पर हवन पूजा पाठ आदि किए। नगर में ही रेलवे स्टेशन स्थित श्री कांटे वाले हनुमान मंदिर पर हवन पूजन कर पुजारी अनिल शर्मा द्वारा हनुमान महाराज का श्रृंगार किया गया। हनुमान जन्म महोत्सव में यहां भी कोरोना गाईडलाइन अनुसार कम संख्या में लोग उपस्थित रहे एवं सभी पुजारियों ने सोशल डिस्टेंसिंग व सेनेटाइजर का उपयोग किया।

कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों पर हुई कार्रवाई

माही की गूंज सारंगी, संजय उपाध्याय

कोरोना वायरस को लेकर शासन-प्रशासन लगातार अलर्ट मोड़ पर है। आपदा प्रबंधन समिति के द्वारा 16 अप्रैल से पूरे जिले में 10 दिवस कोरोना कर्फ्यू की घोषणा की गई थी, इसके बाद कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा 23 अप्रैल को एक आदेश जारी करते हुए कोरोना कर्फ्यू की अवधि बढ़ाकर 30 अप्रैल तक कर दी गई। इसी के तहत सारंगी में भी कोरोना कर्फ्यू लगा हुआ है। पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, अस्पताल से जुड़े हुए सभी स्वास्थ्यकर्मी, पंचायतकर्मी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करने में लगे हुए हैं। सारंगी के आस-पास ग्रामीण क्षेत्रों की जनता भी कोरोना कर्फ्यू का पालन करने में प्रशासन को पूरा सहयोग कर रही है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर पेटलावद की एसडीओपी सोनू डावर, पेटलावद थाना प्रभारी संजय रावत के निर्देशन में सारंगी चौकी प्रभारी अशोक बघेल व पुलिस बल द्वारा लापरवाह लोगों द्वारा कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की गई। चौकी प्रभारी व स्टाफके द्वारा लगातार इस मुहिम को सख्ती के साथ जारी रखा जाएगा। चौकी प्रभारी ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा, घर पर ही रहे, मास्क लगाए, कोरोना कर्फ्यू में प्रशासन की गाईडलाइन का पालन करें सुरक्षित रहे।

कोरोना से मुक्ति व विश्व शांति के लिए खेड़ापति हनुमान मंदिर में हुआ यज्ञ

माही की गूंज, सारंगी

स्थानीय खेड़ापति हनुमान मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान का तेल सिंदूर व चोला चढ़ाकर आकर्षित श्रृंगार किया गया। इसके बाद कोरोना से मुक्ति एवं विश्व शांति के लिए कुंडि यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ पंडित अविनाश उपाध्याय ने विधि-विधान से पूजन करवाकर भगवान के भक्तों द्वारा यज्ञ में आहुति दी गई। मंदिर के पुजारी मूलचंद दास बैरागी ने बताया, डेढ़ वर्ष से संपूर्ण विश्व के साथ भारत में भी कोरोना की महामारी से आमजन परेशान हैं, जिससे मुक्ती के लिए खेड़ापति हनुमान मंदिर पर यज्ञ किया गया। यज्ञ के समापन के बाद भगवान हनुमान की महाआरती उतारी गई एवं महाप्रसादी का वितरण किया गया। उक्त आयोजन श्री गणेश सुंदरकांड मंडल सारंगी के सदस्यों एवं ग्राम के सहयोग से पूरा कार्यक्रम सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण हुआ। ग्राम को कोरोना से मुक्ति मिल सके व ग्राम में शांति बनी रहे, की प्रार्थना कर भक्तगणों ने भगवान से आशीर्वाद लिया।

एसडीओपी की उपस्थिति में बेवजह घूमने वालों पर हुई चालानी कार्रवाई

माही की गूंज, झकनावदा

पेटलावद एसडीओपी सोनू डावर एवं रायपुरिया थाना प्रभारी तेजमल पंवार की उपस्थिति में झकनावदा चौकी प्रभारी जीएस मावी अपने दल-बल के साथ लॉकडाउन का पालन करवाने के लिए समस्त चौराहों पर तैनात हुए थे। वही बाजारों में बेवजह घूम रहे लोगों को

पुलिस द्वारा बाजार में घूमते हुए पूछताछ करने पर उचित कारण नहीं बताया, जिस पर करीब 10 लोगों को अस्थाई जेल भेजा गया, जहां करीब 2 घंटे अस्थाई जेल में रखने के बाद उन्हें बेवजह न घूमने की समझाईश देकर छोड़ दिया। इसके साथ ही वाहनों से बाजारों में फालतू घूमने वाले लोगों को रोककर उनसे कड़ाई से पूछताछ कर करीब 10 लोगों के ऊपर चालानी कार्रवाई की गई। इसके साथ ही एसडीओपी पेटलावद ने जनता से अपील की है कि, आप फिजूल बाजारों में न घूमे व सरकार द्वारा कोरोना वैक्सीन का तिसरा दौर चालु होने वाला है उसमें 1 मई से 18 वर्ष से ऊपर के लोग वैक्सीन लगवाएं। वैक्सीन को आप प्राथमिकता से लगवाएं व सरकार को सहयोग प्रदान करें।

बुजुर्ग महिला भीली भाषा में वैक्सीन लगवाने के लिए कर रही प्रेरित

माही की गूंज, मेघनगर

तहसील मुख्यालय से कुछ दूरी पर ग्राम बेडावली की रहने वाली वसु बाई (70) ग्राम में भीली भाषा में सभी लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरीत कर रही है। वैक्सीन लगवाने से कोरोना महामारी से बचा जा सकता है, साबुन से बार-बार हाथ धोए, मुंह पर मास्क लगाए, ज्यादा भीड़ इकट्ठी न करो, बिना जरूरी काम के घर से न निकले आदि। उक्त बातो की समझाईश देकर बुजुर्ग महिला सभी से कोरोना वैक्सीन लगाने का निवेदन कर रही है।

संपादकीय

चुनाव आयोग की लापरवाही का मंजर

मद्रास हाई कोर्ट ने महामारी की दूसरी लहर के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार बताया है। अदालत ने आयोग को गैर जिम्मेदार संस्था करार देते हुए इसके अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने तक की बात कही है। साथ ही दो मई को मतगणना पर रोक लगाने की चेतावनी भी दे दी। यह पहली बार है जब चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर किसी उच्च न्यायालय को ऐसी सख्त टिप्पणी करने को मजबूर होना पड़ा। अदालत इस बात से बेहद नाराज है कि चुनाव के दौरान कोविड-19 नियमों का पालन करवाने में आयोग पूरी तरह नाकाम रहा। यह सही भी है कि, चुनावों के दौरान आयोग अपने निर्देशों का पालन नहीं करवा सकता है तो फिर उसकी भूमिका का मतलब ही क्या रह जाता है? इसमें कोई संदेह नहीं कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों और लोगों ने कोविड नियमों की जो धज्जियां उड़ाइं और आयोग मूकदर्शक बन कर देखता रहा, वह भी देश में महामारी की दूसरी लहर का बड़ा कारण बना। इसलिए क्यों नहीं आयोग को महामारी फैलाने का जिम्मेदार माना जाए? जिन हालात में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव हुए, उसमें संक्रमण के मामले बढ़ने ही थे। बंगाल में अंतिम चरण का चुनाव आज होना है। इन सभी राज्यों में लंबे समय तक चुनावी रैलियां, रोड शो और सभाएं होती रहीं, हैरत की बात यह कि चुनावी रैलियों या सभाओं में किसी भी नेता या उम्मीदवार ने मतदाताओं से मास्क और सुरक्षित दूरी का पालन करने की अपील नहीं की, बल्कि बेखौफहोकर भीड़ जुटाई जाती रही। नेता खुद बिना मास्क लगाए रैलियां करते दिखे। इसी का नतीजा है कि आज कोलकाता में आरटी-पीसीआर जांच कराने वाला हर दूसरा आदमी संक्रमित निकल रहा है, जबकि दूसरे राज्यों मे यह आंकड़ा चार में से एक का है। कोलकाता में संक्रमित होने की दर 45 से 50 फीसदी तक जा पहुंची है। पश्चिम बंगाल में 27 मार्च को सिर्फआठ सौ बारह नए मामले थे जो 28 अप्रैल को बढ़ते हुए 15 हजार के करीब हो गए है। इस हालात के लिए जिम्मेदार कौन है? ऐसा नहीं कि महामारी में विधानसभा चुनाव कराने को लेकर चुनाव आयोग को चेताया नहीं गया हो। चुनाव आयोग चाहता तो हालात की गंभीरता को देखते हुए केंद्र और राज्यों से विचार-विमर्श कर दूसरे रास्ते निकाल सकता था। चुनाव प्रचार से लेकर मतदान तक के लिए ऐसे उपाय हो सकते थे, जो भीड़ की समस्या से बचा सकते थे। यह दायित्व राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और केंद्र व राज्य सरकारों का भी बनता था। पर किसी ने जिम्मेदारी नहीं समझी। कोविड-19 नियमों के उल्लंघन को लेकर किसी भी दल के नेता या उम्मीद्वार पर कोई कार्रवाई करने को लेकर आयोग ने हिम्मत नहीं दिखाई, इससे ज्यादा बड़ी लापरवाही और क्या हो सकती है। इस वक्त महाराष्ट्र के बाद सबसे ज्यादा हालात उत्तर प्रदेश में बिगड़ रही हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए पिछले हफ्ते इलाहाबाद उच्च न्यायालय को पांच शहरों में पूर्णबंदी का आदेश देने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि राज्य सरकार की आपत्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने इसे रोक दिया। पर हैरत की बात यह कि राज्य में पंचायत चुनाव हो रहे हैं। क्या ऐसे हालात में पंचायत चुनाव सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए? महामारी की मार झेलने वालों में भारत दुनिया में पहले नंबर पर पहुच गया है। ऐसे में चुनाव कराना और लोगों को मौत के मुह में डालना क्या जायज है? ऐसे बिगडे हालातो में चुनाव करवाने पर चुनाव आयोग व सरकारों को कठघरे में लाया जाना चाहिए?

क्या से क्या हो गया, क्यों आई दोबारा लॉकडाउन की हालत ?

अशोक भाटिया

जब स्वास्थ्य मंत्री ने इस एलान के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा था कि, इसने दुनिया के सामने अंतरराष्ट्रीय सहयोग की एक नजीर पेश की है। भारत ने जनवरी से ही अपनी बहुप्रचारित ''वैक्सीन डिप्लोमेसी'' के तहत दूसरे देशों को वैक्सीन की सप्लाई शुरू कर दी थी। हर्षवर्धन अगर देश में कोरोना संक्रमण के खात्मे के प्रति इतने अधिक उम्मीद भरे नजर आ रहे थे, तो इसकी वजह थी। दरअसल, सितंबर के मध्य में देश में दैनिक कोरोना संक्रमण की रफ्तार उच्चतम स्तर पर पहुँच गई थी। उन दिनों यह हर दिन 93 हजार के स्तर पर पहुँच गई थी। लेकिन इसके बाद इसमें तेज गिरावट देखने को मिली। फरवरी के मध्य तक हर दिन सिर्फ11 हजार मामले आ रहे थे। हर दिन मरने वालों का साप्ताहिक औसत भी घट कर 100 के नीचे पहुँच गया था।

इस तरह पिछले साल के अंत से ही कोरोना वायरस को खत्म करने का जश्न मनाना शुरू हो गया था। राजनेताओं से लेकर नीति-निर्माताओं और मीडिया के एक हिस्से ने सचमुच यह मान लिया था कि, भारत अब इस मुश्किल से निकल चुका है। दिसंबर में रिजर्व बैंक ऑफइंडिया के अधिकारियों ने भी कहा था कि, भारत अब ष्कोरोना संक्रमण के खात्मे की ओर बढ़ रहा है। कविताओं में इस्तेमाल किए जाने वाले रूपकों का सहारा लेते हुए इन अधिकारियों ने कहा, इस बात के सबूत मिलने लगे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब जाड़े के मौसम की लंबी छाया से निकल कर चमचमाते रोशन दिनों की ओर बढ़ रही है। उस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी को ''वैक्सीन गुरु'' तक कहा जाने लगा।

फरवरी के आखरि में चुनाव आयोग ने पाँच राज्यों में विधानसभा चुनावों का ऐलान कर दिया, इन राज्यों की 824 सीटों पर खड़े उम्मीदवारों को चुनने वाले वोटरों की संख्या 18.60 करोड़ है। 27 मार्च से शुरू हुई वोटिंग को एक महीने से भी अधिक समय तक चलना था। पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में चुनाव का एलान किया गया। इसके बाद चुनाव प्रचार पूरे जोर-शोर से शुरू हो गए। इन चुनाव क्षेत्रों में न तो कोई सेफ्टी प्रोटोकॉल अपनाया जा रहा था और न सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो रहा था। इस बीच, मध्य मार्च में गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच दो अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मैचों को देखने के लिए एक लाख 30 हजार दर्शकों को इजाजत दे दी गई। इनमें से ज्यादातर बगैर मास्क पहने आए थे और फिर इसके एक महीने के अंदर मुसीबतों का सिलसिला शुरू हो गया। भारत एक बार फिर कोरोना संक्रमण की गिरफ्त में आ गया। कोरोना संक्रमण की यह दूसरी लहर बहुत ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है और इसने भारत के शहरों को बुरी तरह जकड़ लिया है। इस वजह से कई जगहों पर नए सिरे से लॉकडाउन लगाना पड़ रहा है। कोरोना की इस दूसरी लहर में मध्य अप्रैल तक हर दिन संक्रमण के लगभग एक लाख मामले आने लगे। रविवार को भारत में कोरोना संक्रमण के 2,70,000 केस दर्ज किए गए थे और 1600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी थी। एक दिन में यह संक्रमण और मौतों का सबसे बड़ा रिकॉर्ड था। अब यह समय पुराणी समीक्षा न कर समस्त देश का एक इकाई के रूप में कोरोना को परास्त करने का है। बेशक केन्द्र ने राज्यों को अपनी-अपनी परिस्थिति के अनुसार कोरोना का मुकाबला करने हेतु आवश्यक कदम उठाने के लिए अधिकृत कर दिया है परन्तु राज्य केवल अपने आर्थिक बूते पर इसका मुकाबला नहीं कर सकते। विभिन्न राज्य कहीं कर्फ्यू लगा रहे हैं तो कही अर्ध लॉकडाऊन या आंशिक लॉकडाऊन लगा कर कोरोना संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं परन्तु इस पर तब तक पूरी तरह नियन्त्रण नहीं पाया जा सकता जब तक कि, एक समन्वित राष्ट्रीय नीति न तैयार की जाए। हालांकि कोरोना वैक्सीन भी अब लगनी शुरू हो गई है परन्तु कई राज्यों से इसकी सप्लाई में कमी आने की शिकायतें भी मिल रही हैं। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि, वैक्सीन ही कोरोना पर अन्यंत्र नियन्त्रणकारी कार्रवाई साबित हो सकती है परन्तु इसे लोगों को लगाने की पूरी नीति केन्द्र सरकार चला रही है और इसकी खरीदारी भी केवल वही कर सकती है। तर्क कहता है कि, जब राज्यों को कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार दिया गया है तो उन्हें ही यह अधिकार भी मिलना चाहिए कि, वे अपने राज्य की परिस्थितियों और जरूरत के मुताबिक वैक्सीन लगाने की नीति भी तय करें। इस विवाद में जाने की जरूरत नहीं है कि कौन राज्य कितनी वैक्सीन की कमी बता रहा है बल्कि यह देखने की जरूरत है कि किस राज्य में कोरोना का संक्रमण कितना प्रबल है। इसके साथ ही जिस प्रकार से विभिन्न राज्यों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है उसके उपाय भी अभी से ढूंढे जाने चाहिए। कोरोना संक्रमण और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे के समानुपाती हैं। इसका अनुभव हमें पिछले वर्ष के संक्रमण दौर व लॉकडाउन से हो चुका है। पिछले 31 मार्च को भारत की अर्थव्यवस्था की नकारात्मक वृद्धि दर दस प्रतिशत रही है। इससे सबक लेने की जरूरत है और लोगों की जानमाल बचाने के साथ ही जीविका को सुरक्षित रखने की जरूरत भी है। यह हकीकत है कि, पिछले लॉकडाउन की मार से देश की अर्थव्यवस्था अभी तक उबर नहीं पा रही है और यह दूसरा भयंकर काल शुरू हो गया है। अतः औद्योगिक जगत विशेष रूप से मध्यम व लघु क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों को उत्पादनरत रखने के लिए शहरों से मजदूरों का पलायन रोकना बहुत आवश्यक होगा और इसके लिए पहले से ऐसे ''कोरोना पैकेज'' तैयारी करनी पड़ेगी जिससे अर्थव्यवस्था और ज्यादा नीचे न गिरने पाए। इसमें भी दैनिक मजदूरी करने वालों से लेकर ठेके पर विभिन्न कारखानों या फैक्टरियों में काम करने वाले मजदूरों से लेकर कारीगरों तक को आर्थिक मदद देने की जरूरत होगी। यह मदद उन्हें किसी भीख की तरह नहीं बल्कि उनके जायज हक के तौर पर दी जानी चाहिए और छोटी फैक्टरियों व उत्पादन इकाइयों के लिए अभी से शुल्क छूट व आर्थिक मदद के पैकेजों पर विचार करना शुरू कर दिया जाना चाहिए। मगर सबसे ज्यादा जोर इस बात पर होना चाहिए कि जल्दी से जल्दी प्रत्येक युवा से लेकर बुजुर्ग तक को वैक्सीन लगे। देश में कोरोना वैक्सीन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए किसी प्रकार की आर्थिक तंगी नहीं आने देनी चाहिए और जो दो निजी कम्पनियां वैक्सीन बना रही हैं उन्हें हर प्रकार से मदद की जानी चाहिए। सवाल कोरोना पर विजय प्राप्त करने के लिए कारगर प्रबन्धन का इसलिए खड़ा हो रहा है कि, जब दुनिया के दूसरे देशों विशेष रूप से यूरोपीय देशों मे कोरोना स्टेंस की दूसरी लहर के बहुत तेज होने और भयंकर होने की आशंका जताई जा रही थी तो हमने समय रहते व्यापक कारगर प्रबन्ध नहीं किए और आज कोरोना ने हमें बीच रास्ते में पकड़ लिया है। अतः जरूरी है कि हम अपने लोगों को बचाने के साथ-साथ ही अपनी अर्थव्यवस्था को भी बचायें और इस तरह बचायें कि जो जहां है वह वहीं आश्वस्त होकर रहे जिससे कोरोना के पंखों को फैलने की इजाजत न मिले।

हरबंश दीक्षित

महामारी से निपटने के मामले में सरकारी तंत्र पर अदालत के आक्रोश को समझा जा सकता है। दरअसल, यह आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की अपेक्षा की अभिव्यक्ति है। अदालतें पहले भी इस तरह की पहल करती रही हैं और बहुत सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। तकरीबन 32 वर्ष पहले 1989 में परमानन्द कटारा देश की स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में एक युगान्तकारी परिवर्तन के माध्यम बने थे। उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य सुविधाओं को पाने के अधिकार को जीवन के मूल अधिकार का अभिन्न भाग मानते हुए सरकार तथा निजी चिकित्सकों को निर्देशित किया था कि आपात परिस्थिति में आने वाले हर मरीज को चिकित्सा देना उनकी जिम्मेदारी है।

हमें इलाज पाने का कितना हक

शुरुआत एक खबर से हुई थी, जो दुर्घटनाग्रस्त स्कूटर चालक की मौत के बारे में थी। सड़क पर स्कूटर सवार को किसी कार ने टक्कर मार दी थी। उसे लेकर एक व्यक्ति नजदीक के अस्पताल में गया। अस्पताल ने घायल का इलाज करने से इन्कार कर दिया, क्योंकि डॉक्टर के मुताबिक वह मेडिको लीगल मामला था। उसे दूसरे अस्पताल ले जाने को कहा गया, जो 20 किलोमीटर दूर था। वहां पहुंचते घायल व्यक्ति दम तोड़ चुका था। परमानन्द कटारा का मामला कई प्रकार से अभूतपूर्व था। लोकहित के मामलों में आमतौर पर इस तरह के आदेश केवल केंद्र सरकार और राज्य सरकार या सरकारी कर्मचारियों के लिए दिए जाते हैं। लेकिन इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों के माध्यम से सभी मेडिकल कॉलेजों और निजी नर्सिंग होम और चिकित्सकों तक को इस आदेश की प्रति देने और उसका पालन सुनिश्चित करने को कहा। न्यायालय ने कहा कि यदि घायल व्यक्ति को जरूरी चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध न हो सकें, तो अनुच्छेद 21 का जीवन का अधिकार बेमानी है। इसलिए सरकार और सभी चिकित्सकों की यह जिम्मेदारी है कि आपात परिस्थितियों में पहुंचने वाले हर मरीज को चिकित्सा उपलब्ध कराएं।

संविधान के अनुच्छेद 21 के अलावा संविधान में दूसरे भी कई ऐसे उपबंध हैं, जिनमें सरकार को आम लोगों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। अनुच्छेद 39 (ई) में राज्यों को कामगारों के समूचित स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। यह राज्य की जिम्मेदारी तय करता है कि, वह काम करने और मातृत्व की सुविधाएं सुनिश्चित करे और अनुच्छेद 47 भी आम लोगों के स्वास्थ्य का स्तर बेहतर करने के लिए आवश्यक प्रयास करता है। इतना ही नहीं, हमारे संविधान की अनुसूची 11 की प्रविष्टि 23 तथा अनुच्छेद 343 (जी) के अंतर्गत पंचायतों और स्थानीय निकायों की भी जिम्मेदारी तय है कि, वे अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित करें। पारंपरिक सोच यह है कि राज्य के नीति निर्देशक तत्व मूल अधिकार से इस मामले में अलग होते हैं कि वे निर्देश मात्र होते हैं और उन्हें अदालतों के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता, किंतु अदालतों ने आगे बढ़कर उन्हें मूल अधिकारों की तरह लागू

किया है। कोविड महामारी के मामलों में पहले भी अदालतों ने कई बार आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले वर्ष जब देशभर के अस्पतालों से बदइंतजामी की शिकायत मिल रही थी, तब अदालत ने उनका स्वतरू संज्ञान लिया। समाचार पत्रों में छपी खबर के आधार पर इसकी जांच कराने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 12 तथा 19 जून 2020 को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए, जिसमें कोविड जांच बढ़ाने तथा सभी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का आदेश शामिल था। अदालत ने एक उच्चस्तरीय समिति भी गठित की, ताकि उसके दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित हो सके।

कोविड महामारी एक आपात स्थिति है। इससे निपटने में सरकारों की सफलता और असफलता पर विवाद हो सकता है, किंतु उनकी नीयत पर संदेह नहीं किया जा सकता। मानव की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह हर आपदा से कुछ न कुछ सीखता है। मौजूदा महामारी से निपटने में अदालतों की भूमिका की जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है, किंतु उनकी अपनी एक सीमा होती है। हर छोटे-छोटे मामलों को जानने का न तो अदालतों के पास कोई तंत्र होता है और न ही वे उसे जमीनी स्तर पर लागू कर सकती हैं। इसके लिए मौजूदा कानूनी ढांचे की कमियों को भी दूर करना जरूरी है। स्वास्थ्य सुविधाएं पाने के अधिकार को हमारे संविधान में अलग से मूल अधिकार का दर्जा नहीं दिया गया है। इसके कारण ऐसे अधिकार का उपयोग करने में कई तकनीकी दिक्कतें आती हैं। कोविड महामारी ने हमें पहली सीख यह दी है कि, स्वास्थ्य सुविधाओं को पाने का अधिकार मूल अधिकार के अध्याय में शामिल हो। दूसरा यह कि मूल अधिकारों के लाभ को निचले स्तर तक पहुंचाने के लिए यह जरूरी है कि पूरे देश की स्वास्थ्य सुविधाओं के नियमन के लिए व्यापक कानूनी ढांचा हो। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वय तथा एकजुट होकर काम करने की जरूरत होगी। इसमें एक बाधा है। संविधान में स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अस्पताल के संबंध में कानून बनाने का अधिकार राज्यों के पास है। शायद ही कोई ऐसा राज्य होगा, जिसके पास स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित कानूनी ढांचा उपलब्ध होगा। कानूनी ढांचे की इस कमी का नुकसान यह है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया और उसे लागू करने में बिखराव है। तदर्थ जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकारें निर्णय ले रही हैं, जिसके कारण जब अचानक कोई दूसरी समस्या आ जाती है, तो पहले की कार्यवाही ठंडे बस्ते में चली जाती है। राज्यों के बीच कई विषयों पर मतभेद भी हैं, इसलिए भी कहीं-कहीं एकजुटता का अभाव नजर आता है। इस कमी को दूर करने के लिए यह जरूरी है कि संविधान में संशोधन करके स्वास्थ्य सुविधाएं तथा अस्पताल जैसे विषय को राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में लाया जाए। केंद्र द्वारा इस विषय पर व्यापक कानून बनाया जाए, जिसमें सरकारी तंत्र और निजी अस्पतालों का नियमन हो और उनकी जवाबदेही तय हो। ऐसे में, यदि स्थानीय स्तर पर कोई चूक होती है, तो नोडल अधिकारी उसे दूर कर लेगा। अस्पताल के कर्मचारियों की लापरवाही से होने वाले नुकसान के मामलों में न्याय आसान हो जाएगा। न्याय के लिए उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय जाना सबके वश की बात नहीं है। दूसरे यह कि पीड़ित के अधिकार और अस्पतालों या सरकार के कर्तव्यों का स्पष्ट निर्धारण न होने के कारण न्याय पाना तकरीबन असंभव जैसा होता है। स्पष्ट कानूनी ढांचे से लोगों को निचली अदालतों से ही न्याय मिल सकेगा और लापरवाह कर्मचारियों के लिए चेतावनी भी होगी।

आज फिर उदास है कबीर चौरा

राम मोहन पाठक

बनारस संगीत घराने की नर्सरी कबीर चौरा का एक बिरवा, जो संगीत का वटवृक्ष बन गया था, कोविड की भेंट चढ़ गया। कबीर चौरा की इस उदासी का सबब बेवजह कतई नहीं। राजन मिश्र ने यहीं संगीत का ककहरा सीखा। बनारस की जीवंत संगीत परंपरा के स्तम्भ राजन मिश्र के निधन से एक ऐसा शून्य उपजा है, जिसकी भरपाई कठिन तो है ही, नई पीढ़ी के लिए चुनौती भी है। काशी या बनारस अपने जीवंत शहर होने का प्रमाण कालांतर में विभिन्न रूपों में पूरी दुनिया में प्रस्तुत करता रहा है। काशी की पहचान 'सांस्कृतिक राजधानी' के रूप में है! तो वह राजन मिश्र सरीखे नामचीन, समर्पित साधकों की वजह से रही है। इन पांच हजार साल के कालखण्ड और लम्बी परंपरा को अपने-अपने योगदान से ऐसी अनेक विभूतियों ने सींचा है, जिनका समर्पण प्रेरक है।

राजन मिश्र संगीत की सुदृढ़ परंपरा से उपजे थे। अपने समय कंठ संगीत में जिनकी तूती बोलती थी, ऐसे संगीत पुरुष बड़े रामदास से 'गंडा बंधवाने' (शिष्यत्व ग्रहण करने) की परंपरा के बाद पिता हनुमान प्रसाद और चाचा गोपाल मिश्र के कड़े अनुशासन में एक ओर, संगीत की पारंपरिक शिक्षा, दूसरी ओर, अपने कत्थक समुदाय के सम्भवतरू पहले पोस्ट ग्रेजुएट और मेरे सहपाठी राजन का प्रारंभिक जीवन कठिन और साधनों की कमी का जीवन था। दो परिवारों में ट्यूशन के लिए गर्मी, जाड़ा, बरसात में 12-15 किलोमीटर की साइकिल यात्रा के बाद आधी रात और कभी-कभी भोर तक लंबे रियाज की कड़ी तपस्या और साधना की उपज राजन और उनके छोटे भाई साजन की जोड़ी ऐसी बनी कि दुनिया के लिए उदाहरण बन गई। राजन-साजन मेरे पड़ोसी थे, पर पांच दशकों में कभी भी भाई-भाई में कोई मतभेद या विवाद सुना भी नहीं गया। भरे मन से 1977 में काशी को अस्थाई रूप से अलविदा कहकर दोनों भाई दिल्ली गए जरूर, लेकिन दिल में बनारस रचा-बसा रहा। होली, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर काशी जरूर रहते थे। होली के हुड़दंग में प्रौढ़ राजन-साजन बच्चे बन जाते। यही सहजता, शालीनता राजन की पहचान थी। पद्मविभूषण, यश भारती, संगीत नाटक अकादमी सम्मान पाकर भी राजन मुहल्ले के लिए 'का हो राजन चचा' ही बने रहे। अपने भव्य वस्त्रों, कुर्ता-धोती के लिए अपने दर्जी भरत जी के यहां दुनिया भूलकर घंटों सुख-दुख करते राजन, अपने नाई, दूधवाले सभी के सुख-दुख में शामिल राजन को देख यही भाव आता था कि, इतना बड़ा आदमी इतना सहज कैसे है? सब मानते हैं कि, कबीर चौरा गली आधा दर्जन पद्म सम्मान से सम्मानित लोगों की ऐतिहासिक गली है। यहां से शुरू राजन की संगीत यात्रा में अमेरिका, जर्मनी, रूस, सिंगापुर, मस्कट, बांग्लादेश, ऑस्ट्रिया आदि पड़ाव रहे। वैसे 1978 में विदेश में श्रीलंका में पहला कार्यक्रम उनकी यादों में रचा-बसा था। दिग्गज शास्त्रीय गायक की खूबी उनके मन-मिजाज की सरलता थी। मंच पर बैठे राजन के गायन में एक सम्मोहन था। बनारस घराने की खास बंदिशें और टप्पा प्रस्तुत करते हुए आंखें बंद कर जब सुर साधते, तो उनके बोल-बनाव में आध्यात्मिकता के सुरों की बानगी मिलती थी। रंजकता, भावुकता से शुरू उनका गायन श्रोताओं को रसिकावस्था तक पहुंचाने में सफल रहता था। अपनी गोद में रखे सुर बहार और शब्दों की लय को एकाकार करने में निपुण राजन संगीत की बारीकियां भी श्रोताओं को समझाते थे। उनका प्रिय भजन, चले मन वृंदावन की ओर प्रायरू हर कार्यक्रम में श्रोताओं को भावविभोर करता था। ठुमरी, दादरा के साथ अपनी प्रिय प्रस्तुति, 'धन्यभाग सेवा का अवसर पाया' जरूर सुनाते और इस दौरान दोनों भाइयों की आंखों में आंसू की बूंदें चमकती थीं। अपनी बोल-बंदिशें वे गुरु को समर्पित कर देते थे।

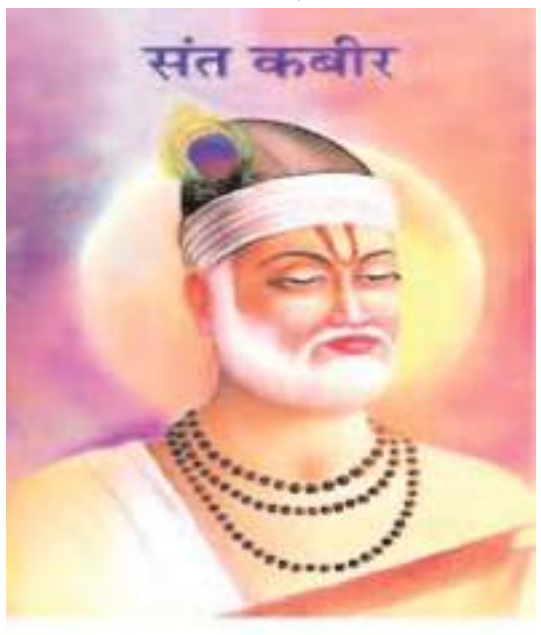

काशी में संगीत ग्राम की उनकी योजना अधूरी भले ही हो, पर देहरादून में उनकी संगीतशाला, 'विराम' और काशी में पैतृक आवास राजन मिश्र के स्मारक संगीत तीर्थ हैं। वह अपने छात्रों को हेल्दी फ्यूजन संगीत की मनाही नहीं करते थे, पर शास्त्रीयता को संगीत की मूल पूंजी मानते थे। एक फिल्म 'सुर संगम' में स्वर दिया, पर फिल्मी दुनिया रास नहीं आई। राजन-साजन मिश्र पर बनी 'अद्वैत' डाक्यूमेण्ट्री का नाम सार्थक है। श्री श्री रविशंकर के मंत्र संगीत-ब्रह्मवाद तथा बाद में कंठ संगीत-अन्तर्नाद में राजन-साजन की प्रस्तुति विश्वस्तर पर चर्चित हुई। राजन-साजन मिश्र बंधुओं की सदाबहार जोड़ी वैसे तो बिखर गई, लेकिन इस जोड़ी को सितारवादक पंडित रविशंकर ने 40 साल पहले बखूबी पहचाना था। काशी के संकटमोचन मंदिर में हर साल आयोजित होने वाले मुक्ताकाशीय संगीत सम्मेलन में रात भर के आयोजन की अंतिम प्रस्तुति में राजन-साजन सुबह तक गाते थे। संकटमोचन के महंत पंडित विश्वंभरनाथ मिश्र प्रायरू याद करतेरहे हैं कि 1979 में पंडित रविशंकर अल सुबह मंदिर पहुंचे, उनका जन्मदिन था। राजन-साजन का गायन चल रहा था, हनुमान जी की परिक्रमा के बाद पंडित रविशंकर अचानक ठिठक गए, बड़े महंत वीरभद्र जी के साथ बैठ गए और राजन-साजन को सुनकर ही उठे। भावविभोर पंडित रविशंकर ने वहीं राजन-साजन को एक बड़े कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इस घटना को राजन-साजन मिश्र हनुमान जी की कृपा से प्राप्त सांगीतिक पुनर्जीवन मानते रहे। कुछ समय पहले इस्कान के चीफट्रस्टी प्रभु सूरदास की संगीतज्ञ पंडित जसराज से (उनके अमेरिका जाने से पूर्व) मुंबई में भेंट हुई थी। पंडित जसराज ने बनारस के बारे में बहुत जिज्ञासाओं के बाद भावपूर्ण शब्दों में पूछा था, 'और राजन-साजन?' पंडित जसराज कहने लगे थे, 'अभी राजन-साजन को बहुत कुछ मिलेगा।'दिल्ली के रमेश नगर में अपने अलग अध्ययन कक्ष पर उन्हें गर्व था। वहां आधुनिक ओशो साहित्य के साथ-साथ भरत मुनि के नाट्यशास्त्र की पुस्तकों का विशाल संग्रह था, जिसके बीच वह घंटों रियाज करते थे। बनारस की ख्याल गायकी के पुरोधा महारथी राजन मिश्र की मान्यता थी कि संगीत में ईश्वर ही सब कुछ है। ईश्वर ही गा रहा है, हमारे अंदर से, हम तो उस अंबर के ओंकारनाद की गूंज के माध्यम हैं। 'स्वर' नहीं, बल्कि 'ईश्वर' ही सुर का मूल है। वह केवल बनारस घराने की ही नहीं, देखते-देखते बनारस की भी पहचान बन गए थे। बनारस घराने की कबीर चौरा बगिया की उदासी राजन के जाने से एक बार फिर लौट आई है।

रेमडेसिविर इंजेक्शन के अभाव में मरीज के परिजन परेशान होने को मजबूर

माही की गूंज, मंदसौर

जिले में कोरोना संक्रमण कई गुना तेज गति से फैल रहा है। करीब 250 मरीजों के लंग्स में इन्फेक्शन अधिक होने पर इन्हें रेमडेसिविर इंजेक्शन की जरूरत है। शासन इसकी पर्याप्त सप्लाई नहीं कर पा रहा है। रविवार को भी शासन से मात्र 23 इंजेक्शन ही मिल पाए। ऐसे में मरीजों के परिजन इंजेक्शन के लिए दिनभर परेशान होने को मजबूर हैं। इसके बाद भी जनप्रतिनिधि, डॉक्टरों पर पहले उनके पहचान वालों को इंजेक्शन उपलब्ध कराने का दबाव बना रहे हैं। इधर सोमवार को 115 नए पॉजिटिव मिले, इनके साथ जिले में कुल पॉजिटिव 5 हजार 421 हो गए हैं। जिले में दो माह में कोरोना संक्रमण तेज गति से फैला है।

फरवरी में मात्र 104 पॉजिटिव मिले थे जबकि अप्रैल माह के 26 दिन में यह आंकड़ा 2 हजार 54 पर पहुंच गया है। तेजी से संक्रमण फैलने पर जिला अस्पताल व कोविड केयर सेंटर में बेड फुल चल रहे हैं। वर्तमान में 770 मरीज भर्ती हैं। इसमें से 250 के करीब मरीज सीरियस हैं, इनके फेफड़ों में 50 फीसदी से ज्यादा इन्फेक्शन फेल गया है।

वर्तमान में इस इन्फेक्शन से जल्द राहत दिलाने के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन का उपयोग किया जा रहा जो करीब 85 से 90 फीसदी मामलों में कारगर साबित हो रहा है। यही कारण है कि, इंजेक्शन की मांग अधिक है लेकिन प्रशासन इसकी पर्याप्त सप्लाई नहीं कर पा रहा है। जिला अस्पताल में वर्तमान में 250 मरीजों को इसकी जरूरत है जबकि रविवार को शासन से मात्र 23 इंजेक्शन ही उपलब्ध हो पाए। जिनमें से 12 इंजेक्शन निजी कोविड सेंटर पर भर्ती मरीजों को पहुंचाए गए। ऐसे में चिकित्सकों ने रिपोर्ट देखकर गंभीर मरीजों को इंजेक्शन लगाए। लेकिन बाकी मरीजों की स्थिति खराब होने से उनके परिजन परेशान हैं। डॉक्टर इन्हें इंजेक्शन लाने का बोल रहे है, लेकिन किसी भी मेडिकल पर यह उपलब्ध ही नहीं हैं।

लॉकडाउन में भी चोरी-छिपे सामान बेच कर व्यापारी वसूल रहे मुंह मांगे दाम

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)

नगर व तहसील में लगातार कोरोना मरीजो की संख्या बढ़ती जा रही है। शासन, प्रशासन, पुलिस की सख्ती व समझाईश के बाद भी कई दुकानदार चोरी छिपे सामान बेच रहे है, बिना मास्क व बिना सोशल डिस्टेंडिग के यह सब चल रहा है। प्रतिदिन मुक्ति धाम में शवों को जलते हुए देखा जा सकता है। सबसे बड़ा दुःख इस बात का हे कि, भानपुरा में चिकित्सा व्यवस्था लगभग न के बराबर है, संविदा चिकित्सकों के भरोसे भानपुरा तहसील की डेढ़ लाख की आबादी है। यहां के मरीज, झालावाड़, भवानी मण्डी, कोटा उपचार के लिए जा रहे है। जिन चिकित्सकों को उपचार की पात्रता ही नहीं है वह भी नगर सहीत पुरे क्षेत्र में उपचार कर रहे है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में तो हालत ओर भी बद से बद्तर नजर आ रही है। शासन का लॉकडाउन का जो नियम है उसकी कतिपय व्यापारी अपने निजी स्वार्थों को लेकर धज्जियां उडा रहे हैं, अपनी और अपने परिवार के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे है। लोटखेडी गेट गली तो यह

सब खुले आम चल रहा है। पुलिस प्रशासन आता है तो व्यापारी भाग जाते हैं और उनके जाते ही वापस आकर बेठ जाते हैं और ग्राहक का इन्तजार करते हैं ग्राहक आया दुकान का शटर उठाया और ग्राहक अंदर। यहां व्यापारी ग्राहक कि, मजबुरी का भी फायदा उठा रहे हैं और मुंह मांगे दाम वसुल रहे हैं। आमजन, स्वास्थ के साथ खिलवाड़ करने वाले व्यापारियों पर सख्त कार्रवाई चाहता है। साथ ही किराना व्यापारी भी समय सीमा के बाद भी सुबह 6 बजे से देर रात तक माल बेच रहे हैं। आमजन सब देख रहा है ऐसे रसुखदारो पर कार्रवाई हो।

तहसीलदार राकेश यादव का कहना है कि, प्रशासन पुलिस के साथ लगातार कार्रवाई कर रहा है दुकानें सील भी की है। चेतावनी दी है कि, कोई भी शासन की गाईडलाइन का उल्लंघन न करें उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

थाना प्रभारी कमलेश सिंगार ने कहा कि, पुलिस बिना वजह घुमने वालों बिना मास्क के रहने वालों पर कार्रवाई कर रही है। श्री सिंगार ने लोगों से कोरोना वायरस बीमारी में पुरी तरह सतर्कता बरतने की अपील के साथ गाईड़लाइन का पालन करने का आग्रह किया।

अप्रैल माह में कोरोना का रिकॉर्ड, सांसद व विधायक से नए कोविड केयर सेंटर बनाने की मांग

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)

जहां समूचा देश व प्रदेश कोरोना महामारी से जूझ रहा है। वहीं विगत 1 अप्रैल से लेकर 28 अप्रैल तक तहसील भानपुरा में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसमें नगर भानपुरा में 81 लोग कोरोना से संक्रमित हुए है, जिसमें से 25 ने कोरोना वायरस महामारी को मात दी है तो अभी 56 लोग कोरोना संक्रमित है। वंही नवगठित नगर परिषद भैसोदा में 13 लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं, उसमें से सभी 13 लोग फिलहाल संक्रमित है, ग्रामीण क्षेत्रों में 157 लोग कोरोना संक्रमित हुए तथा 30 ने कोरोना को मात दी।

सबसे अधिक कोरोना के मामले तहसील भानपुरा के गांधी सागर 8 नंबर तथा 3 नंबर पर कोरोना से संक्रमित हुए व ये दोनों जगह कोरोना हॉटस्पॉट बने हुए हैं। यहां करीब 100 से अधिक लोग कोरोना के शिकार हुए है। वहीं तहसील भानपुरा के 13 लोगो का उपचार राजस्थान में चल रहा है। जिसमें से फिलहाल 12 लोग कोरोना एक्टिव है व एक को छुट्टी मिली है। इस तरह से विगत 1 अप्रैल से लेकर 25 अप्रैल तक तहसील भानपुरा में 264 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए तथा 56 लोगो ने कोरोना को हराया व अभी भी 208 लोग कोरोना संक्रमित है। वहीं विगत कोरोना संक्रमण की महामारी प्रारंभ होने के बाद 15 लोगो ने कोरोना के आगे हार मान जिंदगी को अलविदा कह दिया। तहसील क्षेत्र में बढ़ रहे मामलों को देखते हुए नगर के गणमान्य जनों ने क्षेत्रीय विधायक देवीलाल धाकड़ एवं सांसद सुधीर गुप्ता से मांग की है कि, नगर भानपुरा में भी बालिका कन्या छात्रावास, बालक छात्रावास व मॉडल विद्यालय में से एक या दो स्थानों को कोविड केयर सेंटर हेतु नियत किया जाए। साथ ही आवश्यकतानुसार बेड उपलब्ध कराए जाए ताकि बुजुर्गो, महिलाओं या बच्चों को मंदसौर या गरोठ नहीं ले जाना पड़े क्योंकि गरोठ व मंदसौर के कोविड केयर सेंटर पहले से ही अपनी क्षमता से कहीं अधिक कोरोना संक्रमितों से भरे पड़े हैं व यहां के कोरोना संक्रमितों को गरोठ या मंदसौर पहुंचाने में भी भारी व्यय होता है।

अनोखी शादीः दूल्हा-दुल्हन ने पीपीई किट पहन कर लिए फेरे

माही की गूंज, रतलाम

जिले में एक अनोखी शादी हुई, जहां पर एक दूल्हा सात जन्मो का साथ निभाने के लिए पीपीई किट पहनकर मण्डप में पहुचा, वही दुल्हन ओर माता-पिता सहित पण्डित ने भी पीपीई किट पहनकर कोरोना गाईडलाइन का पालन करते हुए शादी करवाई। आयोजन गांधीनगर स्थित मैरिज हॉल में सीमित परिजनों की मौजूदगी में पंडित द्वारा वैवाहिक मंत्रों के साथ विवाह कराया गया। क्योंकि दूल्हे की शादी की सभी तैयारी पूर्ण हो चुकी थी, दूल्हे में कोरोना वायरस के लक्षण दिखाई दिए, जिसके चलते उसे कॉविड सेंटर में भर्ती कराया गया था।

ग्रामीण जनता कर्फ्यू का पालन कर अपने आप को सुरक्षित रखें- कलेक्टर

माही की गूंज, शाजापुर

ग्रामीण जनता कर्फ्यू का पालन करें और अपने आप को सुरक्षित रखें। उक्त अनुरोध कलेक्टर दिनेश जैन ने जिले के सभी ग्रामों के निवासियों से किया है। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि, कोरोना वायरस का संक्रमण ग्रामीण क्षेत्रों में भी फैल रहा है, इसलिए ग्रामीणजन अपने आपको सुरक्षित रखें। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए समय-समय पर जारी की गई गाईडलाइन का पालन करें। सभी ग्रामीण संकल्प लें कि, वे स्वयं को एवं अपने गांव को कोरोना के संक्रमण से बचाएगे। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी है कि, प्रत्येक व्यक्ति सोशल डिस्टेंसिंग एवं व्यक्तिगत दूरी का पालन करें, मास्क लगाएं, बार-बार हाथ धोएं एवं सेनेटाइजर का उपयोग करें। विवाह समारोह के दौरान अत्यधिक भीड़ न हो, इसके लिए वर एवं वधु पक्ष के कुल 5-5 से व्यक्तियों को शामिल होने की अनुमति दी गई है। विवाह समारोह में अधिक व्यक्ति सम्मिलित होने पर जिला प्रशासन द्वारा आईपीसी की धारा 188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह शवयात्रा के लिए भी अधिकतम 20 व्यक्तियों के शामिल होने की अनुमति प्रशासन द्वारा दी गई है। इससे अधिक व्यक्तियो के शामिल होने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि, कोरोना संक्रमण से बचने के लिए आवश्यक है कि, किसी भी समारोह या कार्यक्रम में भीड़ इकट्ठी न हो। भीड़ इकट्ठी होने पर संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणजन अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए सुनिश्चित करें कि वे भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र में नहीं जायेंगे। अपने घर पर ही रहेंगे। अत्यावश्यक कार्य होने पर मास्क पहनकर ही घर से निकलेंगे।

जिला कोरोना योद्धा सेल का गठन

माही की गूंज, शाजापुर

कोरोना वायरस के संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर दिनेश जैन ने जिले के शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए जिला कोरोना योद्धा सेल का गठन किया है। उल्लेखनीय है कि, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगामी आदेश तक कलेक्टर कार्यालय शाजापुर में संयोजित किया गया है। इसके लिए डिप्टी कलेक्टर अजीत कुमार श्रीवास्तव मो. नं. 9425064440 को जिला कोरोना योद्धा सेल का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला कोरोना योद्धा सेल का हेल्पलाईन नं. 07364-1075 है।

जिला कोरोना योद्धा सेल में सहायग ग्रेड एक शिवलाल गेहलोत मो. नं. 9425035137, सहायक ग्रेड तीन फैजल जाफरी मो. नं. 8109200710 एवं संविदा राघवेन्द्र मीणा मो. नं. 9770405308 की ड्यूटी लगाई गई है। समस्त संयोजित किए गए अधिकारी एवं कर्मचारी नोडल अधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करेंगे। आदेशों का पालन नहीं किए जाने या दिए गए निर्देशों की अवहेलना किए जाने की दशा में संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना योद्धा सेल के दायित्व

कोरोना योद्धा सेल को विभिन्न दायित्व सौंपे गए है, जिसके अनुसार शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी तथा उनके परिवारजनों के कोविड संक्रमित होने पर उनके ईलाज में सेल मदद करेगी। शासकीय एवं निजी अस्पतालों में बेड उपलब्धता की जानकारी देंगे। आवश्यक होने पर रेमडिसिविर इंजेक्शन व अन्य जीवन रक्षक दवाईयां उपलब्ध कराने में मदद करेंगे। शासकीय व निजी अस्पतालों में उपचार के दौरान संकमित अधिकारियों व कर्मचारियों अथवा उनके परिवारजनों की सहायता करेंगे। समस्त शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये कोविड टेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। कोविड-19 बीमारी के कारण शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी की मृत्यु हो जाने पर कोरोना योद्धा योजना में उसके परिवार को शासन स्तर से आर्थिक सहायता दिलाने हेतु आवश्यक कार्रवाई करेंगें।

कोरोना से जंग जीत कर आए दो प्रधान आरक्षक का थाने में किया स्वागत

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)

भानपुरा पुलिस थाने के दो प्रधान आरक्षक अनिल जाट व नरेंद्र चौधरी ड्यूटी करते हुए कोरोना पॉजिटिव हो गए थे। उनका कोविड अस्पताल में उपचार हुआ और मंगलवार को स्वस्थ होकर वापस भानपुरा थाने पर आने पर थाना प्रभारी कमलेश सिंगार, एसआई धर्मेश यादव, महिला एसआई ममता अलावा के साथ पुरे स्टाफने दोनों प्रधान आरक्षको का स्वागत किया। उन पर फुल बरसाए व मिठाई का वितरण किया। महिला आरक्षक खुशबू बांगा ने तिलक लगाकर स्वागत किया। पुरे भानपुरा थाने में जश्न का माहौल था दोनों आरक्षक अपने स्वागत पर भावुक हो गए ओर थाना प्रभारी कमलेश सिंगार व पुरे स्टाफका धन्यवाद किया ओर कहा कि, कोरोना की जंग जीती जा सकती है इसका हिम्मत से सामना करें और कोविड नियमों का पालन करें।

नगर सहित शासकीय भवनों को किया सेनेटाइज

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)

नगर परिषद द्वारा कोरोना वायरस महामारी से बचाव के लिए नगर व शासकीय भवनों को सेनेटाइज कराया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोविंद पोरवाल ने बताया कि, नगर के जिन वार्डों में कोरोना मरीजों की संख्या ज्यादा आ रही है, वहां हर दुसरे दिन सिनेटाइज कराया जा रहा है। जिला सहकारी बेंक, नगर परिषद कार्यालय, तहसील भवन, थाना भवन, विधायक कार्यालय, छत्री संस्थान, विश्राम गृह सहित नगर के सभी शासकीय भवनों को सिनेटाइज किया गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोविंद पोरवाल ने कहा कि, कोरोना कर्फ्यू का पालन कराया जा रहा है। आमजन को कोई परेशानी न हो यह भी हमारी प्राथमिकता है। श्री पोरवाल ने कोविड नियमों का पालन करने का आग्रह किया एंव कहा कि, स्वच्छता अभियान पर भी पुरी सतर्कता है लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग अपहृत बालिका को किया दस्तयाब

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा) सारंगपुर

रविवार को फरियादी ने थाना सारंगपुर आकर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि, कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी नाबालिक लड़की को बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया है, फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला अपराध क्रमांक 248/21 धारा 363, 366 भादवि 3 (2) (अं) एससी, एसटी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामला दर्ज होने के बाद से ही पुलिस टीम लड़की को तलाश करने में लग गई और लड़की की तलाश शुरू की गई। मामले की जांच में सामने आया कि, नाबालिक लड़की को एक लड़का सारंगपुर पाडल्या रोड दरगाह के पास से सारंगपुर की तरफलेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सारंगपुर हमराह बल को साथ लेकर पाडल्या रोड पहुंचे जहा देखा तो एक लड़का गुमशुदा बालिका का हाथ पकड़कर ले जा रहा था, उसको जाकर रोका ओर लड़की के बारे में पूछा तो उसने बताया कि, मैं इस लड़की से प्यार करता हूं ओर इससे शादी करना चाहता हूं। बालिका से पूछा गया तो उसने बताया कि, ये लड़का मुझसे शादी करने के लिए घर से लेकर आया है मैं भी इससे शादी करना चाहती हूं। पुलिस टीम दोनों को अपने साथ लेकर थाने आई व नाबालिग लड़की को घर से बहला फुसलाकर ले जाने के जुर्म में आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

कोरोना कर्फ्यू का उलंघन, मामला दर्ज

माही की गूंज कुंदनपुर, कृष्णपाल सिंह ठाकुर

प्रजापति मोहल्ले में स्थिति कंगन स्टोर के व्यापारी अंकित पिता बाबूलाल प्रजापत पर कोविड कर्फ्यू के उलंघन करने पर धारा 188, 269, 270 आईपीसी व 51 (बी) आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। उक्त व्यापारी कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन कर अपनी दुकान खोलकर व्यापार कर रहा था। बताया जा रहा है कि, पूर्व में भी उक्त व्यापारी को स्थानिय पुलिस द्वारा समझाइश दी गई थी जिसके बावजूद भी दूकान खोलकर व्यापार करने पर कार्रवाई की गई है।

कोरोना गाईडलाइन का उलघंन करने वालों पर किए अपराध पंजीबद्ध

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)

कोरोना संक्रमण के चलते जिला दण्डाधिकारी निर्देशानुसार लगाए गए प्रतिबंध एवं नियमों को लाऊडस्पीकर द्वारा कोरोना संक्रमण के सबंध मे लोगो को जानकारी दी जा रही है। जिन व्यक्तियो द्वारा नियमो की अनदेखी कर नियमो का उल्लंघन किया जा रहा है उन व्यक्तियों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही दुकानदारो द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर उनकी दुकाने सील कराई जा रही है। राजस्व विभाग, नगरपालिका एवं पुलिस विभाग द्वारा सयुक्त टीम बनाकर वाहन चालकों एवं प्रशासन द्वारा जारी कोरोना गाइडलाईन का उल्लंघन करने वाले लोगो के विरूद्ध 7 अप्रेल से 24 अप्रेल तक 50 हजार 750 रूपए के कुल 277 चालान किए गए। वही 13 अप्रेल से 24 अप्रेल तक 29 दुकानो को सील कराया गया है। जिसमे सोना चांदी की दुकाने, कोलडिंग्स, हार्डवेयर, मोबाईल एंव किराना दुकाने मुख्य है साथ ही सेम काम्प्लेक्श को भी सील कराया गया है। वही कोरोना कर्फ्यू के दौरान सोशल डिस्टेंसिग का पालन न करने एवं भीड़ एकत्रित करने को लेकर शहजाद गौरी निवासी नरसिहंगढ के विरूद्ध थाना नरसिहंगढ मे अपराध क्र.205/21 धारा 188 भादवि का अपराध पंजीबद्ध किया गया एवं अनूप गुप्ता निवासी नरसिंहगढ द्वारा कोरोना संक्रमित होने के वाद भी मार्केट मे घूमने की शिकायत एवं वीडियो मिलने पर थाना नरसिहंगढ मे अपराध क्र. 323/21 धारा 188, 269, 270 भादवि एंव धारा 51 (बी) आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

सामाजिक कार्यकर्ता की अपील

कोविड-19 के वैक्सीन टीके लगवाने के लिए आगे आए आदिवासी समाज- जयस जिला मिडिया प्रभारी

माही की गूंज, झाबुआ

भारत के कई राज्यों को अपनी चपेट में ले चुका कोरोना वायरस दिन प्रतिदिन विकराल रूप लेता जा रहा है। आज मध्य प्रदेश सहित भारत के सभी सरकारी व प्राइवेट अस्पताल पूरी तरह से मरीजों से भरे पड़े हैं और इन अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड और वेटीलेटर की कमी हो रही है। मरीजों की संख्या में दिन प्रतिदिन वृद्धि होने के कारण स्वास्थ्य विभाग को भी नए सिरे से सोचने को मजबूर कर दिया है। आदिवासी समाज से मेरा निवेदन है कि, किसी भी तरह की बीमारी या बुखार होने पर खुद डॉक्टर बनने की आदत को छोड़े और तुरंत डॉक्टर को दिखावे, ताकि सही इलाज हो और आप स्वस्थ हो सके। खुद डॉक्टर बनने की आदत ही हमें गंभीर बीमारी का शिकार बना रहे है। समय पर हॉस्पिटल न जाकर हम अपनी जान के दुश्मन खुद बन रहे हैं और ठीकरा सरकार या अस्पताल के नाम पर फोड़ रहे हैं। यहां बदलाव खुद में लाना है, क्योंकि जिंदगी हमारी है और हमें जीना है। वर्तमान समय में सोशल मीडिया पर देखा जा रहा है कि, कोविड-19 वैक्सीन के टीके लगाने के लिए गांव में स्वास्थ्य विभाग की जो टीमें जा रही है उनके साथ ग्रामीणजन गलत व्यवहार कर टीका नहीं लगवा रहे हैं, यह हमारे समाज की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हो सकती है। सरकार ने कोविड-19 वैक्सीन के निःशुल्क टीके एक मई से 18 वर्ष से ऊपर के प्रत्येक व्यक्ति को लगाने के लिए अनिवार्य कर दिया है और सरकार का यह कदम ठीक भी है। इस समय ग्रामीण इलाकों में संक्रमण का दौर जारी है और इस संक्रमण की वजह से कई ग्रामीणजन अपनी जान गवां चुके हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आदिवासी समाज के प्रत्येक जो 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को वैक्सीन का टीका अपनी बारी आने पर लगवाने के लिए आगे आना चाहिए और दूसरों को भी यह

टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए तब कहीं जाकर हम अपने समाज को बचाने में कामयाब होंगे।

कोविड-19 वैक्सीन के खिलाफ जो भ्रामक प्रचार असामाजिक तत्वों के द्वारा किया जा रहा है वह सरासर गलत है। कोविड-19 वैक्सीन का टीका न तो किसी कांग्रेस पार्टी ने बनाया है और न ही भाजपा ने बनाया है इस कोविड-19 के टीके को हमारे देश के वैज्ञानिकों ने कई बार परीक्षण करने के बाद ही कोविड-19 वैक्सीन को मंजूरी दी होगी और यह वैक्सीन हमारे शरीर में हमारी बॉडी को मजबुत बनाने के साथ-साथ प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाएगी, इसके साथ-साथ कोरोना वायरस को अपने शरीर पर कभी हावी नहीं होने देगा। कोविड-19 के टीके को लगवाने के बाद हमें स्वास्थ्य विभाग व सरकार की गाईडलाइन का पालन करना चाहिए ताकि हमें किसी प्रकार की कोई समस्या न आए। उक्त अपित जयस के जिला मिडिया प्रभारी दिनेश वसुनिया ने समाज हित के साथ समाजजनो के अपिल की है।

शादी-ब्याह व मामेरा नोतरा बंद कर पहले इस संक्रमण से अपना बचाव करें समाजजन

दिनेश वसुनिया ने अपिल कर यह भी कहा कि, सरकार व शासन-प्रशासन द्वारा कोरोना कर्फ्यू लगाने के बावजूद समाज के बहुत सारे समझदार व्यक्ति भी प्रशासन के नियमों की अवहेलना कर शादी-ब्याह, मामेरा, नोतरा जैसे कार्यक्रमों को आयोजित कर रहे हैं। इसमें समाज में किसी भी व्यक्ति के साथ इस संक्रमण से अनहोनी होती है तो इसमें सरकार को कुछ भी फर्क नहीं पड़ेगा, फर्क पड़ेगा तो हमारे आदिवासी समाज और उनके परिवार वालों को, इसलिए शादी-ब्याह व मामेरा, नोतरा जैसे कार्यक्रमों को इस संक्रमण को देखते हुए फिलहाल के लिए स्थगित कर देना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में जनप्रतिनिधि, सरपंच, सचिव और सामाजिक कार्यकर्ताओं जैसे व्यक्तियों को आगे आकर कोविड-19 संक्रमण के प्रति समाज में जनजागृति लाना चाहिए।

युवाओं के टीकाकरण पंजीयन हेतु नगरीय क्षेत्रों में की गई विशेष व्यवस्था

माही की गूंज, बड़वानी

एक मई से प्रारंभ होने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के कोरोना वैक्सीनेशन के रजिस्ट्रेशन के लिए नगरीय क्षेत्रों में विशेष व्यवस्था की गई है।

डूडा प्रभारी एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंशु जावला से प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पालिका बड़वानी परिसर में होने वाले पंजीयन के लिए रामकरण डाबर को प्रभारी अधिकारी एवं कम्प्यूटर आपरेटर के रूप में हुसैन खांन एवं शरीफखांन को नियुक्त किया गया है। वहीं नगर पालिका सेंधवा के पुराने नगर पालिका भवन में होने वाले पंजीयन के लिए निलेश मालवीय एवं सुनिल चौहान को, शासकीय महाविद्यालय सेंधवा में होने वाले पंजीयन के लिए मयंक वर्मा एवं मन्नान खांन को, कृषि उपज मण्डी सेंधवा में होने वाले पंजीयन के लिए स्वप्निल चैंगड़ व विक्रम चौधरी को, नगर परिषद अंजड़ के इंदिरा गांधी शापिंग काम्पलेक्स में होने वाले पंजीयन के लिए संजय शर्मा व रोहित मकासरे, नगर परिषद राजपुर में मांगलिक भवन राजपुर में होने वाले पंजीयन के लिए अरूण सोनी व नगर परिषद कार्यालय भवन में होने वाले पंजीयन के लिए बालकृष्ण नाईक की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार नगर परिषद पानसेमल के नगर परिषद कार्यालय में होने वाले पंजीयन के लिए प्रदीप साटोटे, प्रेमचंद ढोले, संतोष सोनीस की, नगर परिषद खेतिया कार्यालय भवन में होने वाले पंजीयन सौरव जाधव, उमेश निकुम की, नगर परिषद पलसूद कार्यालय में होने वाले पंजीयन के लिए अफजल हुसैन, कमलेश गुप्ता व अंकित शर्मा की, नगर परिषद निवाली कार्यालय में होने वाले पंजीयन के लिए वीरेन्द्र धनगर, सुश्री पूजा सेन, शुभम राठौड़ की तथा नगर परिषद ठीकरी परिषद भवन में होने वाले पंजीयन के लिए अंतिम कामले एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 ठीकरी में होने वाले पंजीयन के लिए आशिष अलावे की ड्यूटी लगाई गई है।

जिले में कम हो रही कोरोना प्रभावितों की संख्या, मुख्यमंत्री ने की जनप्रतिनिधियों-प्रशासनिक अधिकारियों की प्रशंसा

माही की गूंज, बड़वानी

मुख्यमत्री शिवराजसिंह चौहान ने बुधवार को प्रदेश के सभी जिलो के कोरोना प्रभारी मंत्री, कमिश्नर एवं कलेक्टर, जिलों के आपदा प्रबंधन समिती के सदस्यों की आयोजित वीडियों कांफ्रेंसिंग समीक्षा के दौरान बड़वानी जिले सहित अन्य 10 जिलों में कोरोना प्रभावितों की संख्या में आ ही कमी के मद्देनजर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए, अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता बताई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया कि, यही वह समय है जब हम कोरोना कर्फ्यू के प्रावधानों को सख्ती से लागू कराकर कोरोना की चैन को तोड़ सकते है।

मुख्यमंत्री की इस वीडियों कांफ्रेंसिंग समीक्षा में बड़वानी एनआईसी के माध्यम से जिले के कोरोना प्रभारी मंत्री प्रेमसिंह पटेल, सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, पुलिस अधीक्षक निमिष अग्रवाल, अपर कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम सोनी, जिला पंचायत सीईओ ऋतुराजसिंह, आपदा समिति के अन्य शासकीय सदस्य उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियों कांफ्रेंसिंग के दौरान कहा कि, ''न तो हम थक सकते है, और न ही बैठ सकते है, हम लडेंगे और जीतींगे'' इसलिए आपदा प्रबंधन समितियों के पदाधिकारी बार-बार बैठक कर स्थानीय परिस्थितियों अनुरूप निर्णय ले। जिससे जल्दी से जल्दी हम कोरोना की चैन को तोड़ने में सफल हो सके। इसके लिए प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि के सहयोग और समन्वय बनाकर कार्य करे, आवश्यकता होने पर पूरी सख्ती से कोरोना कर्फ्यू का पालन करवाए। किल कोरोना अभियान के दौरान घर-घर जाने वाली सर्वे टीम के माध्यम से होम क्वारंटाइन लोगों को अनिवार्य रूप से दवाईयों का किट दिलवाया जाए और सुनिश्चित कराया जाए कि, प्रभावित लोग इनका सेवन सही तरीके से कर रहे है या नहीं। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों को बताया कि, शीघ्र ही प्रदेश स्तर से 4 हजार आक्सीजन कंसनट्रेटर मशीन खरीदी गई है। इन्हे भी जिलों में आवश्यकतानुसार भेजा जाएगा। साथ ही आक्सीजन की उपलब्धता सतत् बनाए रखने के लिए जहां इसे इस्पात संयंत्रों से मंगाई जा रही है। वही जिलों में भी हवा से आक्सीजन बनाने के प्लांट तैयार करवाए जा रहे है। जो शीघ्र ही कार्य करना प्रारंभ कर देंगे।

मानव सेवा समिति ने जामली को उपलब्ध कराया 500 नग डेक्सामेथासोन इंजेक्शन

माही की गूंज, बड़वानी

कोरोना के खिलाफ जारी जंग में सेंधवा के सामाजिक संगठन बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे है। नगर की मानव सेवा समिति के पदाधिकारियों ने जामली कोविड केयर सेंटर में भर्ती मरीजों के लिए पानी की बोटल, सेवफ्रूट एवं 500 नग डेक्सामेथासोन इंजेक्शन कोविड मरीजों के उपचार के लिए एसडीएम सुश्री तपस्या परिहार को सौंपे है। इस दौरान मानव सेवा समिति के निलेश जैन ने बताया कि, समिति का यह प्रयास एवं सेवा का यह क्रम सतत् जारी रहेगा।

होम क्वारंटाइन में रहकर जीती कोरोना की जंग

माही की गूंज, बड़वानी

कोरोना पॉजिटिव होना शब्द सुनते ही आज की परिस्थिति में मनुष्य डर सा जाता है। ऐसा ही कुछ मेरे साथ भी हुआ जब मुझे पता चला कि, मैं कोरोना पॉजिटिव हो गया हूं, तो मुझे भी बहुत डर लगा। डर के कुछ समय बाद मुझे याद आया कि, मैने तो कोरोना के वैक्सीन के दोनो टीके लगवा लिए है। जिसके कारण कोरोना का प्रभाव मुझ पर ज्यादा नही होगा। उक्त बाते बड़वानी निवासी सुनिल कुमरावत ने होम क्वारंटाइन में रहकर कोरोना से स्वस्थ्य होकर कही है। उन्होने बताया कि, वे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटी में कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। कोरोना के वैक्सीन के दोनों टीके लगने के बाद भी वे 13 अप्रैल को कोरोना पॉजिटिव हो गए थे। वैक्सीन लगने के कारण उनके शरीर में कोरोना का ज्यादा प्रभाव नही हुआ, उन्हे न तो अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और न ही आक्सीजन सपोर्ट की आवश्यकता पड़ी। वे होम क्वारंटाइन में रहकर ही डॉक्टरों के परामर्श से 8-10 दिन में स्वस्थ्य हो गए। श्री कुमरावत ने सभी से आव्हान किया है कि, वैक्सीन को लेकर जो भ्रांतियां फैली हुई है। उन्हे नजरअंदाज कर, कोरोना का वैक्सीन लगवाकर अपने और अपने परिवार की सुरक्षा करे, वैक्सीन लगवाने के बाद कोरोना हुआ भी तो आप उसे आसानी से हरा सकेंगे।

कोरोना केयर सेंटर को ओर बेहतर बनाने हेतु दी डबल सिलेण्डर आक्सीजन कंसनट्रेटर मशीन

माही की गूंज, बड़वानी

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के आव्हान पर जिले के सेंधवा, बड़वानी एवं खेतिया में संचालित कोविड केयर सेंटर को ओर साधन सम्पन्न बनाने हेतु विभिन्न सामाजिक संगठन दिल खोलकर दान दे रहे है। इसके तहत कालका माता मित्र मंडल बड़वानी, सरस्वती इलेक्ट्रानिक बड़वानी, दीपक जोशी एवं डॉ. दीपक शर्मा मित्र मण्डल बड़वानी के पदाधिकारियों ने आशाग्राम के कोविड केयर सेंटर को 3 डबल सिलैण्डर आक्सीजन कंसनट्रेटर मशीन उपलब्ध कराई है। वही सुमित यादव ने 40 जम्बो आक्सीजन सिलैण्डर, आशा मेडिकल स्टोर के संचालक प्रतिनिधि आशीष यादव ने जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाई प्रदान करने की घोषण की है। वही मैनकाइंड फार्मा के हितेष शर्मा ने कोविड आपदा के दौरान मरीजों के प्रबंधन में जुटे प्रशासनिक एवं दूसरे अधिकारियों को फेश शील्ड एवं प्रिकाशन किट उपलब्ध कराई है।

छोटे शहरों में जनभागीदारी से खोले जाएं कोविड सेंटर

लेखकः- नरेंद्र तिवारी

कोविड-19 महामारी अब अपना विस्तार तीव्रगति से करती जा रहीं है। संक्रमण के दूसरे प्रवाह ने देश के छोटे शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रो को भी अपनी चपेट में ले लिया है। महानगरों एवं बड़े शहरों के अस्पतालों में जगह नहीं है। स्वास्थ्य व्यवस्थाएं चरमरा गई है। ऐसे हालातो में छोटे शहरों को महानगरों ओर सरकारी साधनों के भरोसे रहने के बजाए जनभागीदारी से सुविधाओं को एकत्रित कर स्थानीय स्तर पर इलाज की व्यवस्था करनी चाहिए। जनभागीदारी से अतिशीघ्र कोविड सेंटरों का निर्माण करना आपदा के समय की प्राथमिकता दिखाई दे रहीं है।

संक्रमण का दूसरा दौर तेजी से गांवों और छोटे शहरों को अपने प्रभाव में ले रहा है। इसके बढ़ने की संभावनाएं भी व्यक्त की जा रहीं है। छोटे शहरों ओर ग्रामीण इलाकों के यह संक्रमित लोग जान बचाने महानगरों की ओर भाग रहें है, जहां पूर्व से ही निजी और सरकारी अस्पताल मरीजों से भरे पड़े है। अस्पताल प्रबंधन ने 'बैड नहीं है' लिखी सूचना चस्पा कर रखी है। ऐसे में छोटे शहरों और गांवों के संक्रमित लोग महानगरों में जाकर या तो अपने संक्रमण को बड़ा रहे है या फिर लौट कर वापिस ही नहीं आ पा रहे है। इन विकट परिस्थियों में छोटे शहरों एवं गांवों को मिलकर अपनी चिकित्सा का प्रबंध निजी स्तर पर करने का प्रयास करना होगा। इस हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं, दानदाताओं, स्थानीय चिकित्सको, स्वास्थ्यकर्मियों एवं चिकित्सा शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को आगे आकर अपना अहम योगदान देना होगा।

ऐसे दौर में जब नागरिको का स्वास्थ्य सबसे बड़ी ओर पहली जरूरत बन गया हो, सरकारी उपाय नाकाफी सिद्ध हो रहें हो, तब यह प्रबंध समय की मांग है। शहरों में स्कूल,कॉलेज या मेरीज गार्डन इन दिनों खाली पड़े है। इन भवनों में पर्याप्त कमरे भी है। निजी छात्रवासों, सरकारी हॉस्टलों में पलंग पर्याप्त मात्रा में होते है। इन भवनों में उपचार के साधनों को एकत्रित किया जा सकता है। शहरो के निजी चिकित्सको एवं स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग इन कोविड केयर सेंटरों के लिए लिया जा सकता है। सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक संस्थाएं आवश्यक उपकरणों, गोली-दवाइयों, आक्सीजन सिलेंडरों की व्यवस्था कर सकती है। आपसी सहयोग और सहभागिता की आपदा के इस दौर में बहुत अधिक जरूरत है। कोरोना संक्रमण के दौरान यह देखा गया है कि, घबराहट, चिंता ओर चिकित्सकीय मार्गदर्शन के अभाव में तबियत अधिक बिगड़ रहीं है। इन कोविड केंद्रों पर मरीजों को उचित मार्गदर्शन के साथ हल्के लक्षणों का उपचार हो सकेगा, संक्रमण के प्रति जानकारी भी आसानी से मिल सकेगी। जिन संक्रमितों के पास आइसोलेशन की सुविधाएं नहीं है या फिर देखभाल करने वाला कोई नहीं है। वें यहां अपना उपचार करा सकेंगे। परस्पर सहयोग की भावना से आसानी से आपदा का मुकाबला किया जा सकता है। इन अस्थाई कोविड केंद्रों पर सरकारी निगरानी होगी। जिसके माध्यम से आवश्यक दिशा निर्देश एवं गाईडलाइन का पालन किया जा सके। क्षेत्रीय, सांसद, मंत्री, विधायक एवं जनप्रतिनिधि अपनी निधि से इन सेन्टरों को सहयोग प्रदान कर सकते है। नेतागण मुक्तहस्त से दान देकर भी सहयोग कर सकतें है। शहर की नगरपालिका परिषद न सिर्फ आर्थिक सहयोग प्रदान कर सकेगी अपितु सफाई, पेयजल आपूर्ति के कार्यों का जिम्मा भी उठा सकती है। यह महामारी अनेकों जीवनों को लील गई है, जिसमें बड़े-बड़े पूंजीपति, नामी-ग्रामी, विधायक, सांसद, मंत्री तक काल के गाल में समा गए। पद-प्रतिष्ठा धन-संपदा, ओहदा, सत्ता कोई काम नहीं आ पा रहें है। गांव-गांव, नगर-नगर शोक में डूबे हुए है। इस भयानक महामारी के दौर में आपसी सहयोग की भावना से अस्थाई कोविड केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। छोटे शहरों में जब एक अच्छी ओर बेहतर शुरुआत होगी तो आर्थिक सहयोग भी मिलने लगेगा, सुविधाए भी जुटने लगेगी और गरीब लोगों को निःशुल्क में उपचार भी मिल सकेगा, महानगरों के महंगे उपचार से निजात भी मिल सकेगी। ईमानदार कोशिशों को धन ओर सुविधाओ की कमी कभी नहीं आती है। अच्छे प्रयासो को दान और सहयोग जरूर मिलता है। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में माँ अहिल्या कोविड केयर सेंटर खोला गया है। यह राधा स्वामी सत्संग ब्यास आश्रम में जनसहयोग से शुरू किया है। देश मे अनेको स्थानों पर राधा स्वामी मंदिर परिसरो को मन्दिर समिति ने सर्व सुविधायुक्त कोविड सेंटर में परिवर्तित कर दिया है। देश की अनेकों धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं ने भी इस कार्य की शुरुवात की है। आखिर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, सेवाभावी संस्थाओं का कार्य ही मानव सेवा एवं जनकल्याण करना है। इसी तरह छोटे शहरो को महामारी के इस दौर में महानगरों पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी, इस हेतु इन शहरों में जन भागीदारी से कोविड केंद्रों का निर्माण किया जाना चाहिए। ऐसा करने से महानगरों में लगने वाली भीड़ को कम किया जा सकता है। परस्पर सहयोग और जन भागीदारी से आपदा के समय मानवीय जीवन की रक्षा भी की जा सकती है।

गौतम ग्रुप की पहल पर दान दाताओं के सहयोग से नगर में लगा ऑक्सीजन प्लांट, प्रशासन ने किया निरीक्षण

सांसद, विधायक और प्रशासन ने नहीं किया एक रुपए का भी सहयोग

माही की गूंज पेटलावद, राकेश गेहलोत

कोरोना के खिलाफ जंग में लड़ाई मजबूती से जारी है। जब से जिले की कमान कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा संभाली गई है, उनके द्वारा लगातार कोरोना की इस लड़ाई में शासन-प्रशासन को अलर्ट करते हुए हर समस्या को निराकृत करने और जिले की जनता को किसी प्रकार की कोई असुविधा इलाज के दौरान न हो, इसके लिए लगातार मानिटरिंग करते हुए अलर्ट किया जा रहा है। इसी मॉनिटरिंग के क्रम में पेटलावद जो कि जिले की सबसे बड़ी तहसील है पर कोरोना मरीजों का इलाज एवं अन्य संसाधनों के लिए निरंतर शासन-प्रशासन के द्वारा मॉनिटरिंग करते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा मंगलवार को एसपी आशुतोष गुप्ता और अपने दलबल सहित पेटलावद के बरवेट रोड स्थित कोविड सेंटर अस्पताल में जायजा लेने के लिए पहुंचे। साथ ही उनके द्वारा प्रशासन की पहल पर जन सहयोग से स्थापित की गई ऑक्सीजन प्लांट का भी मौका मुआयना किया गया।

गौतम ग्रुप की पहल रंग लाई, जन सहयोग से लगा दिया ऑक्सीजन प्लांट

कोरोना महामारी के दौरान सबसे बड़ी समस्या ऑक्सीजन को लेकर सामने आई। सिविल हॉस्पिटल पेटलावद की बिल्डिंग बनने के बाद लगातार उसके उद्घाटन की मांग उठ रही थी। प्रभारी मंत्री हरदीप सिंह के दौरे पर आवाज़ उठी तो प्रशासन को सिविल हॉस्पिटल में कोविड सेंटर बनाने के निर्देश दिए, लेकिन फ़ोटो छाप नेताओ ने कोविड सेंटर की आड़ में बिना किसी सुविधा और स्टाफके सिविल हॉस्पिटल का उद्घाटन कर दिया। बीस बेड के तैयार कोविड सेंटर में ऑक्सीजन की कोई व्यवस्था प्रशासन की ओर से नही थी, ऐसे में समाज सेवी अपने स्तर पर ऑक्सीजन की व्यवस्था में जुट गए। डॉक्टर चोयल के सुझाव के बाद गौतम ग्रुप ने नगर के समाज सेवियो को आगे कर पहल की और जन सहयोग से ऑक्सीजन प्लांट की मशीन के लिए राशि जुटाकर मशीन बुलवा ली।

सांसद, विधायक और प्रशासन ने नही की कोई मदद

समाज़सेवीयो की पहल पर सभी लोग अपनी हिम्मत के हिसाब से राशि दे रहे थे। ऐसे में लोगो को उम्मीद थी कि, प्रशासन और नेता जनता की इस पहल में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। लेकिन सोचने वाली

बात है, 15 से 20 लाख के इस बड़े खर्च में प्रशासन और क्षेत्र के विधायक और सांसद ने कोई मदद नही की। स्थानीय नेताओं ने अपनी ओर से पहल भी की लेकिन कोई मदद के लिए आगे नही आया। मशीन आने के बाद से लेकर मशीन फिट होने तक कोई नेता और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नही रहे।

चार दिन की मशक्कत के बाद फिट हुई मशीन, दस बेड पर हुए कनेक्शन

ऑक्सीजन मशीन आने के बाद बाहर से आए इंजीनियर और स्थानीय समाज सेवी गौतम गेहलोत व अन्य लोगो की चार दिन ओर रात की कड़ी मशक्कत के बाद मशीन सिविल हॉस्पिटल में फिट हो चुकी हैं और दस बेड पर ऑक्सीजन के लिए कनेक्शन हो चुका है। पूरा प्लांट बिजली से संचालित होगा ओर ऐसी व्यवस्था भी की जा रहीं है कि, बिजली कटने पर भी मरीज़ को ऑक्सीजन के लिए परेशानी नही उठानी पड़े। जरूरी समान की कमी के कारण अभी सभी बेड तक कलेक्शन नही हुआ है जो जल्द ही होने की सम्भवना है।

प्लांट लगने के बाद उद्घाटन के लिए मारा-मारी

जैसे ही ऑक्सीजन प्लांट की मशीन फिट हुई उक्त मशीन के उद्घाटन के लिए मारा-मारी शुरू हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को जिला कलेक्टर उक्त मशीन का विधिवत उद्घाटन करना चाहते थे, लेकिन मशीन के लिए सहयोग करने वाले समाज़सेवीयो ने प्रशासन की इस पहल को नकार कर उद्घाटन में उपस्थित रहने से मना कर दिया। बताया जा रहा है कि, प्रशासन ने पूजा पाठ की सारी सामग्री जुटाकर पूजा पाठ की तैयारी की लेकिन आम जन का रुख देखकर किसी प्रकार का पूजन नही किया गया। बताया जा रहा है, पूरी प्रक्रिया के दौरान प्रशासन का सहयोग नहीं मिलने के कारण लोगो मे नाराजगी है, वही क्षेत्र के विधायक और सांसद के द्वारा सहयोग नही करने से लोगो मे भारी नाराजगी है।

प्रशासन के अधिकारी रहे मौजूद

औपचारिक रूप से प्रारंभ हुई इस ऑक्सीजन मशीन एवं प्लांट का मौका मुआयना एवं जांच करने के लिए कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी आशुतोष गुप्ता के साथ मौके पर पहुंचे और उनके द्वारा जनसहयोग से स्थापित ऑक्सीजन प्लांट ओर अस्पताल में लगे ऑक्सीजन सिस्टम का निरीक्षण किया। साथ ही नगर के नागरिकों की इस प्रयास की प्रशंसा भी की व भर्ती मरीजों की जानकारी ली ओर आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर एसडीएम शिशिर गेमावत, बीएमओ डॉ. एमएल चोपड़ा, डॉ. गोपाल चोयल, एसडीओपी सोनू डावर, कोविड सेंटर प्रभारी डॉ. भरत रावत, तहसिलदार जितेंद्र अलावा, नायब तहसीलदार जगदिश वर्मा आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य के प्रति संजीदगी : बोहरा समाजजनों ने रोजा खोलने के बाद कराया टीकाकरण

माही की गूंज, अलीराजपुर

अपने स्वास्थ्य के प्रति संजीदगी आवश्यक होती है और उम्र दराज व्यक्तियों में यह देखकर आमजन और युवाओं का उत्साह बढना लाजमी है। स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता वह भी कोरोना महामारी से लडने हेतु टीकाकरण को लेकर, तो यह अन्य के लिए प्रेरणा का काम करने वाली बात ही हुई। ऐसा ही कुछ अलीराजपुर में सोमवार रात को बोहरा बाखल स्थित बोहरा समाज के जमात खाने में नजर आया। 45 से करीब 68 वर्ष की उम्र के करीब 50 से अधिक व्यक्तियों ने रोजा खोलने के बाद कोरोना से बचाव का टीका पूरे उत्साह के साथ लगवाया। बोहरा समाज एवं जिला प्रशासन की पहल पर यह संभव हुआ। रोजे और तेज गर्मी के मद्देजनर बोहरा समाज के कई बुजुर्ग महिला एवं पुरूष टीकाकरण न करा पाने से फिक्रमंद थे। ऐसे में बोहरा समाज के आमील शेख नजमुद्दीन बुरहानपुरवाला एवं समाज सचिव मुल्ला शब्बर मोटरवाला ने कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता से चर्चा करते हुए टीकाकरण के लिए विशेष शिविर लगाने का आग्रह किया। कलेक्टर श्रीमती गुप्ता ने उक्त प्रस्ताव पर विभागीय अधिकारीगण को विशेष शिविर लगाने के दिशा निर्देश दिए और उक्त शिविर का आयोजन हुआ। शिविर के आयोजन में बोहरा समाज के युवाओं और समाजजनों होजेफ देवहाटवाला, जोहर भारमल, डॉ. अम्मान, शब्बीर अनीस, काईद सहित अन्य ने शिविर की व्यवस्थाओं हेतु विशेष प्रयास करते हुए सहयोग किया। रोजा खोलने के बाद उक्त टीकाकरण प्रारंभ हुआ करीब 2 घंटे के दौरान 50 से अधिक व्यक्तियों का टीकाकरण किया गया।

67 वर्षीय तालीब हुसैन, 60 वर्षीय आबिद हुसैन प्रेस वाला सहित अन्य तथा आमील बुरहानपुरवाला एवं समाज सचिव मोटरवाला ने बताया, रोजा और तेज धूम के मद्देनजर समाज के बुजुर्ग टीकाकरण कराने नहीं जा पा रहे थे। जिला प्रशासन ने विशेष शिविर की व्यवस्था की हम प्रशाासन के आभारी है। कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने बताया, कोरोना से बचाव हेतु टीकाकरण को लेकर बोहरा समाजजनों का प्रयास प्रशंसनीय है, जो अन्य लोगों को प्रेरणा देगा।

कोरोना के खतरे के बीच यातायात पुलिस सख्त, बेवजह घूमने वालों को लगवा रही उठक-बैठक

माही की गूंज, अलिराजपुर

यातायात पुलिस ने सख्ती बड़ा दी है. कोविड के केस बढने से चिंताजनक स्थितियां हो गई, जिसे लेकर अब पुलिस गलियों, मोहल्लों, कॉलोनियों में जाकर लोगों को समझाईश देती दिखाई दे रही है। कर्फ्यू के बावजूद बेवजह घूमने वालों को पुलिस उठक-बैठक भी लगवा रही है। जैसे ही पुलिस की गाड़ियां आती है, लोग भाग जाते है। जैसे कि, चोर-पुलिस का खेल खेल रहे हो। यानी लोग अपने आपको धोखा दे रहे हैं।

कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है, लोगों को बेवजह घर से नहीं निकलने की हिदायत दी गई है, पुलिस द्वारा सिखाए सबक से भी लोग सीख नहीं ले रहे हैं और बेवजह आना-जाना कर रहे हैं। ऐसे में पुलिसकर्मियों द्वारा बार-बार घर में रहने की समझाईश दी जा रही है। पुलिस अब गली, मोहल्लों, कॉलोनियों में लोगों को समझाइश देती दिखाई दे रही है। नगर में कोरोना कर्फ्यू के चलते सभी वर्ग परेशान हैं। प्रशासन दूसरी लहर में क्षेत्र में बढ़ रहे कोरोना पॉजिटिव की संख्या से चिंतित हैं, वहीं आमजन उन लोगों से भयभीत हैं जो शासन-प्रशासन के नियमों का उल्लंघन कर बाजारों में बेवजह घूम रहे हैं। पुलिस की सख्ती के बाद भी ऐसे लोग अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार नहीं हैं। कोविड-19 के नियमों का पालन नहीं करने वालों को निरंतर पुलिस द्वारा समझाईश दी जा रही है, लेकिन इस तरह की समझाईश के बाद नहीं मानने वाले लोगों पर कार्रवाई कर रही है। यातायात पुलिस खुद माईक में बोल रही है, बेफलतू घूमने वालों को समझाईश दे रही हैं। मुख्य मार्ग पर पुलिस की पेट्रोलिंग की जा रही। एमजी रोड, बस स्टैंड, निमचोक, बहारपुरा, में लोग झुंड बनाकर बिना मास्क के बैठे रहते है। लापरवाह लोगों की वजह से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इनके साथ-साथ दुसरो की भी जान जोखिम में डाल रहे। जैसे ही पुलिस का वाहन आता देख लोग भाग जाते है। भागने वालो की विडियो ग्राफी की गई अगली बार पकड़ाए जाने पर अस्थाई जेल भेजा जाएगा। कोरोना कर्फ्यू का पालन करवाने के लिए पुलिस सख्त हो गई।.

यातायात पुलिस की अपील

यातायात पुलिस सभी लोगों से अपील की है कि, मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और सेनेटाइजर का साथ न छोड़ें। जब तक लोग खुद सावधानी नहीं बरतेंगे, तब तक कोरोना की चेन नहीं तोड़ी जा सकती। प्रशासन अपनी तरफ से तो कोशिश कर ही रहा है, लोगों और समाज को भी प्रशासन के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए।

चिलचिलाती धूप और लू के थपेडों के बीच चेक पोस्ट पर अपने दायित्व को निभा रहे कोरोना वारियर्स

आने-जाने वालो की थर्मल स्क्रीनिंग कर कोरोना संक्रमण से बचाव की दे रहे जानकारी

माही की गूंज, अलीराजपुर

चिलचिलाती धूप और गर्म लू के थपेडों के बीच जिले की विभिन्न चेक पोस्ट पर तैनात कोरोना वारियर्स जिले को कोरोना संक्रमण से बचाने के प्रयासों में लगे है। उक्त चेक पोस्टों पर तैनात कर्मचारी प्रत्येक आने-जाने वालों की थर्मल स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य संबंधित जानकारी, संबंधित व्यक्ति की टैऊवल हिस्ट्री सहित अन्य जानकारी ले रहे है ताकि उक्त व्यक्ति के माध्यम से कोरोना संक्रमण जिले में प्रसारित न हो पाए। इस कार्य में लगे कर्मचारी पूरी मुस्तैदी के साथ अपने दायित्व को निभा रहे है। उक्त चेक पोस्टों पर प्रत्येक आने-जाने वाले की थर्मल स्क्रीनिंग की जाकर यदि कोई व्यक्ति कोरोना संभावित लक्षण वाला पाया जाता है तो उसका कोविड टेस्ट भी कराया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता के दिशा निर्देशन में जिले की सीमा के प्रवेश मार्गों सेजावाडा, भाडाखापड, छकलता सहित अन्य स्थानों पर अलग-अलग टीमें जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य, आयुष, पुलिस, शिक्षा विभाग का मैदानी अमला तैनात किया गया है। साथ ही उक्त टीम में सम्मिलित सदस्य आने-जाने वालों को कोरोना संक्रमण से बचाव के उपायों की जानकारी देकर भी जागरूक कर रहे है। चेक पोस्ट पर बगैर मास्क तथा सोशल डिस्टेन्सींग का पालन नहीं करने वालों पर चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। चेक पोस्ट पर तैनात डॉ. जितेन्द्र मुजाल्दा, डॉ. जितेन्द्र मोरी, मनोहर वाणी सहित ड्यूटी पर तैनात अन्य कर्मचारियों ने बताया, हमारा प्रयास है कि जिले में आने वाले व्यक्तियों के माध्यम से कोरोना का संक्रमण का प्रसार नहीं हो। इसके लिए हम लोगों को समझाईश देने के साथ-साथ उन्हें कोरोना संक्रमण से बचाव के उपाय तथा टीकाकरण के लिए भी जागरूक कर रहे है।

प्रतिबंध के बावजूद शादी में चल रहा था डीजे पुलिस ने की कारवाई

माही की गूंज, सारंगी (झाबुआ)

कोरोना संक्रमण जिले में लगातार बढ़ रहा है इस संक्रमण से ग्रामीण क्षेत्र भी अछूता नहीं है, इसके बावजूद भी लोग प्रशासन की गाईडलाइन का पालन नहीं कर रहे हैं। कुछ लोगों ने समझदारी दिखाते हुए शादियां आगे बढ़ा दी है, वहीं कुछ लोग ऐसे लापरवाह भी हैं जो शादी में भी प्रशासन की गाईडलाइन का पालन नहीं कर रहे हैं।

चौकी प्रभारी अशोक बघेल ने बताया, ग्राम बोड़ायता में मोहन पिता लालू गरवाल उम्र (55) के यहां शादी का कार्यक्रम चल रहा था, उसमें शासन की गाईडलाइन के अनुसार 5 से अधिक लोग शादी में शामिल हुए, यहां पर 50 से 60 लोगों की शादी में भीड़ इकट्ठी कर रखी थी तथा डीजे पर प्रतिबंध होने के बावजूद भी डीजे तेज आवाज में बजाया जा रहा था। पुलिस ने पहुंचकर देखा तो वहां पर निर्धारित संख्या से ज्यादा लोग शामिल थे,यहां प्रशासन के नियम का उल्लंघन मिला इस पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोहन पिता लालू गरवाल (55) निवासी बोड़ायता पर धारा 188, 269, 270 भादवि एवं आपदा प्रबंधन 2005 अधिनियम की धारा 51 (बी) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया साथ ही डीजे ऑपरेटर राजू पिता कालू डामर उम्र (32) निवासी गंगा तलाई थाना राजोद जिला धार के विरुद्ध मध्यप्रदेश कोलाहल अधिनियम की धारा 7/15 के तहत मामला पंजीबद्ध कर डीजे मालिक राजू डामोर व डीजे साउंड व पिकअप वाहन जप्त किया गया।

कोरोना के लक्षण महसूस होने पर तत्काल फीवर क्लीनिक पर जांच कराएं- सीईओ श्रीमती जैन

माही की गूंज, अलीराजपुर

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती संस्कृति जैन ने समस्त जिलेवासियों से आह्वान किया है कि, किसी भी व्यक्ति को कोरोना संभावित लंक्षण महसूस होते है तो तत्काल जिले में बनाए गए फीवर क्लीनिक पर संपर्क करें। उन्होंने समस्त जिलेवासियों से आह्वान किया है कि सर्दी, जुकाम, बुखार, गले में खराश, सांस लेने में तकलीफसहित अन्य किसी भी तरह के लक्षण महसूस होने पर तत्काल फीवर क्लीनिक पर संपर्क करें। उन्होंने बताया जिले में 6 स्थानों पर फीवर क्लीनिक संचालित है। उक्त फीवर क्लीनिक सुबह 9 से शाम 5 बजे तक संचालित हो रहे है। फीवर क्लीनिक जिला चिकित्सालय अलीराजपुर एवं जोबट, चन्द्रोखर आजाद नगर, सोंडवा, कट्ठीवाडा एवं उदयगढ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर संचालित हो रहे है। उन्होंने बताया हमारी जरा सी लापरवाही हमारे जीवन और अन्य परिजनों के लिए संकट खडा कर सकती है। अतः किसी भी व्यक्ति को कोरोना संभावित लक्षण महसूस होने पर तत्काल फीवर क्लीनिक पर पहुंचकर कोरोना की जांच कराए। उक्त फीवर क्लीनिक पर यह जांच निःशुल्क की जा रही है।

कोरोना कर्फ्यू में शादी करना पड़ा महंगा, 7 लोगों पर प्रकरण दर्ज

माही की गूंज, अलीराजपुर

संक्रमण के मद्देनजर सम्पूर्ण जिले में प्रतिबंधात्मक के बावजूद चन्द्रोखर आजाद नगर जनपद क्षेत्र के ग्राम छोटा खुटाजा निवासी व्यक्ति के यहां विवाह कार्यक्रम में डीजे के साथ करीब 150 से 200 लोगों को एकत्र करके कोविड गाईडलाइन का उल्लंघन करते हुए शादी का आयोजन करने पर 7 लोगों पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। उक्त कार्रवाई में दला पिता कानजी अजनार, रूपली पिता दला अजनार निवासी छोटा खुटाजा, विके पिता चेनिया बामनिया निवासी संदा, चेनिया पिता धुलिया बामनिया निवासी संदा, डीजे मालिक रमे पिता भूरा निवासी ग्राम छोटा खुटाजा, ग्राम पंचायत छोटा खुटाजा, सरपंच मदन पिता कालिया मावी एवं चौकीदार सुरे पिता बच्चु मावी पर भादवि की धारा 188, 269, आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51बी एवं म.प्र कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा 7/15 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। उल्लेखनीय है कि, ग्राम छोटा खुटाजा में दुल्हा-दुल्हन करीब 150 से 200 बारातियों के साथ विवाह कार्यक्रम में डीजे पर नाच रहे थे। उक्त विवाह कार्यक्रम के संबंध में ग्राम सरपंच और चौकीदार द्वारा प्रशासन को जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। जिस पर संबंधितों पर भी प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

चौहान परिवार ने सामुदायिक अस्पताल को एम्बुलेंस की भेंट

माही की गूंज, जोबट

पुर्व नगर परिषद अध्यक्ष दिपक चौहान व नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति रमिला चौहान द्वारा इस कोरोना महामारी से निपटने के लिए व नगरवासियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एक सर्व सुविधा युक्त एम्बुलेंस सामुदायिक अस्पताल को भेंट की। उक्त एम्बुलेंस में ऑक्सीजन की व्यवस्था, इमरजेंसी मेडीसीन, ब्लड प्रेशर की मशीन, पल्स ओक्सीमिटर, सेनेटाईजर की सुविधा उपलब्ध है। यह एम्बुलेंस चौहान परिवार द्वारा इनके पिता स्व. प्रतापसिह चौहान की स्मृति मे भेंट की गई। साथ ही नगर परिषद् उपाध्यक्ष संजय वाणी द्वारा 10 भाप स्टीमर कोविड केयर सेन्टर हेतु दिए गए।

उक्त कार्यक्रम में सांसद गुमानसिह डामोर, पुर्व विधायक माधुसिह डावर, नागरसिह चोहान, जिलाध्यक्ष वकिलसिह ठकराला, प्रदेश प्रतिनिधि किशोर शाह, एसडीएम श्यामवीरसिह व डॉ. विजय बघेल उपस्थित थे।

सांसद का अनुसरण कर बारात लेकर आए पुलिसकर्मी ने निकाला ढोल-धमाकों के साथ बनौला, लड़की पक्ष पर मामला दर्ज कर पुलिस लूट रही वाह-वाही

माही की गूंज खवासा, विजय पाटीदार

शुक्रवार को खवासा में चंद्रावत परिवार के एक परिवार में नातिन की शादी थी। जानकारी अनुसार राजगढ़ (धार) क्षेत्र से एक पुलिसकर्मी के बेटे की बारात चंद्रावत परिवार की नातिन से शादी करने हेतु आई थी। कोविड-19 की दूसरी भयावह स्थिति को देखते हुए जिले में 5-5 कुल 10 व्यक्ति ही समारोह में शामिल होकर शादी को संपन्न कराने के निर्देश दिए, ताकि कोविड संक्रमण पर किसी तरह से नियंत्रण पा सके। परंतु रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर सांसद गुमान सिंह डामर ने सत्ता के रोब के साथ आपदा प्रबंधन समिति की बैठक में प्रशासन को धमकी भरे लहजे के साथ निर्देश दिए थे कि, शादी बार-बार नहीं होती है और झाबुआ जिले में कोरोना की स्थिति भयावह नहीं है, शादी समारोह में खासकर हमारे आदिवासी समाज में शादी करने वाले को किसी प्रकार से कोरोना के नाम पर परेशान नहीं किया जाए, शादी हो रही है और होगी कहा था। सांसद का अनुसरण कर ग्रामीण क्षेत्र में आज भी बड़ी संख्या में इकट्ठे होकर शादी समारोह का आयोजन किया जा रहा है तो वहीं प्रशासन भी दबाव में आकर गिनी चुनी कार्रवाई कर अपनी वाह-वाही लूट रहा है।

पुलिसकर्मी ने सांसद का अनुसरण कर अपने बेटे की शादी का बनौला निकाला धुम-धाम से।

जिले के ग्रामीण क्षेत्र के एक बड़ा कस्बा थांदला थाने के खवासा में भी सांसद की कही बात का अनुसरण कर राजगढ़ (धार) क्षेत्र से पुलिसकर्मी के बेटे की बारात आई और दिन में ही पुलिस चौकी के सामने से ही ढोल-ढमाके एवं ताशे बनौला निकालने के लिए लाए गए। लेकिन खवासा पुलिस सांसद के दबाव के चलते शिकायत के इंतजार तक देख कर भी अनजान बनी रहे। बताया जाता है कि, लड़की पक्ष ने अनुरोध पूर्वक बारातियों को कहा था कि आप बनौला मत निकालो। लेकिन पुलिसकर्मी ने आश्वस्त किया कि, कुछ नहीं होगा और सांसद की कहीं बात दोहराते हुए कहां, मेरा आखरी लड़का है शादी एक बार होती है बार-बार नहीं, तो बैंड-बाजे नहीं पर ढोल-ढमाकों के साथ बनौला तो निकाल ही सकते हैं। कह कर गोपाल कॉलोनी से ढोल-ताशो के साथ एक पुलिसकर्मी ने ही अपने पुत्र के मोहः में कोविड गाईडलाइन का उल्लंघन कर बड़ी संख्या में और बिना मास्क के भी बाराती शामिल होकर सांसद व पुलिस के रुतबे से आश्वस्त होकर बिंदास बनौला नाचते-गाते करीब 1 घंटे से अधिक समय तक बनौला निकालते हुए बारात हरिजन मोहल्ले पहुंची।

इसी बीच अपने-अपने स्तर पर फोन पर अलग-अलग अधिकारियों को फोन लगाकर कोविड गाईडलाइन का उल्लंघन कर बनौले के साथ चल रही गाड़ी पर पुलिस लिखें वाहन के साथ ढोल व ताशे के साथ बड़ी संख्या में शामिल होकर बनौला निकाला जा रहा है कि शिकायत की। जिसके बाद पुलिस शादी समारोह स्थल पर पहुंची और नियम का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मी व बारातियों पर कार्रवाई नहीं करते हुए लड़की के नाना एवं अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज कर कोरोना गाईडलाइन के विपरीत शादी समारोह करने पर पुलिस द्वारा कार्रवाई करने की वाह-वाही पुलिस लूट रही है।

पुलिस चाहती तो नहीं निकलता बनौला

पुलिस, सांसद के दबाव में न होकर कार्य करती तो शायद एक पुलिसकर्मी अपने बेटे की बारात का बनौला नहीं निकालता। लेकिन खवासा पुलिस, पुलिस चौकी के सामने से होकर बनौले हेतु आए ढोल-ताशे के साथ ही बनौला निकालने के पूर्व ही समझाइश दे सकती थी। परंतु पुलिस ढोल-ताशे के आने के साथ ही रात में धम-धमा-धम ढोल-ताशों की आवाज सुनने के बाद भी पुलिस ने पूरे बनौले को कान में रुई डालकर निकलने दिया और शिकायत होने के बाद पुलिस पहुंची और दुल्हन पक्ष परिवार पर अपराध क्रमांक 244/2021 पर कार्रवाई कर वाह-वाही लूटी। प्रशासनिक उक्त कार्रवाई के साथ यह समझा जा सकता है कि, किस तरह ग्रामीण अंचल में शादी समारोह सांसद का अनुसरण कर बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल होकर समारोह का आयोजन कर रहे होंगे और नतीजन आब यह कोरोना ग्रामीण अंचल तक के हर ग्राम में पहुंच चुका है।

मकान में अज्ञात कारणों से लगी आग, डेढ़ लाख नकदी सहित पांच लाख से अधिक का नुक़सान

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)

कुशलगढ़ थाना क्षेत्र से तीन किमी दूर कुशलगढ़-रतलाम मार्ग पर भगतपुरा गांव में मंगलवार शाम मकान में अज्ञात कारणों से आग लगने से पुरा आशियाना और घर का घरेलु सामान सहित नकदी जलने से पांच लाख के करीब के नुक़सान होने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी अनुसार घटना राजु भाई राठौड के कालाखेत में गेराज सहित किराना दुकान और रिहायशी मकान में आग लगी है। परिवार के सभी लोग बाहर थे बालिका संतोषी (16) घर में खाना बना रही थी इसी दौरान एकाएक बिस्तर ने आग पकड़ ली, गैस तक आग न पहुंचे इसके लिए बालिका चिल्लाई और साहस दिखाते हूए गैस टंकी बंद कर दी, लेकिन जलती हुई आग में वह बाहर नहीं निकल पाई। ऐसे में राजू के चिल्लाने और

रिहायशी क्षेत्र के मकान में लगी आग

आवाज देने पर कालाखेत के पास सरपंच नारिया सहित वार्डपंच सादर, ग्रामीण ईश्वर सहित पचास से अधिक लोग घरों से पानी लेकर दौड़े तथा घर के अंदर झूलस कर घायल हुई बालिका की जान बचाते हूए बाहर निकाला। मौके से घटना की सूचना कुशलगढ़ नगरपालिका दमकल को देने के बावजूद मौके पर दमकल नहीं पहुंचा, जैसे-तैसे ग्रामीणो ने टैंकर मंगवाया तथा आग पर काबू पाया।

पिडित राजू ने बताया कि, आग लगने बिस्तर में रखे नकदी डेढ़ लाख रूपए सहित टीवी, रीसीवर, दो एंड्रायड मौबाइल सहित घर में खाने-पीने का सामान, बिस्तर में जेवरात, पहनने के कपड़े सहित किराना दुकान का घर में रखा सामान आग की चपेट में आकर जल गया, पांच लाख रुपए से अधिक का नुक़सान हुआ है। उक्त घटना की सूचना पुलिस को मिलने पर पुलिसकर्मी भी पहुंचे तथा पिडित परिवार को ढांढस बंधाया व सुबह लिखित रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाई। सरपंच सहित ग्रामीणों ने पिडित परिवार को सरकार से आर्थिक सहायता राशि दिलाने की मांग की है। वहीं परिजन और ग्रामीणों ने घटना में दोनों पांव झूलसी बालिका संतोषी का इलाज कराया।

एक मई से 18 वर्ष से अधिक आयु समूह के लोगों का होगा टीकाकरण, क्षेत्र में यहां बना टीकाकरण सेंटर

माही की गूंज, पेटलावद

एक मई से प्रारंभ होने वाले कोविड-19 टीकाकरण के तिसरे चरण के लिए 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को टीका लगवाने के लिए ऑनलाइन प्री बुकिंग कराना अनिवार्य रहेगा। जिले में 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को टीका ऑन स्पॉट बुकिंग के आधार पर नहीं लगाया जा सकेगा, बल्कि प्री बुकिंग कराने वाले लोगों के लिए ही सुविधा उपलब्ध रहेगी। पेटलावद में प्रारंभिक टीकाकरण के लिए कन्या माध्यमिक उच्चतर विद्यालय में टीकाकरण किया जाएगा। एक मई के बाद से होने वाले टीकाकरण के अंतर्गत एक ही स्थान पर 2 सेशन साइट बनाई जाएगी, जिसमें एक साइट पर 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को टीके लगेंगे जबकि उसी स्थान पर दूसरी सैशन साइट पर 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका लगाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, टीकाकरण के दौरान 45 वर्ष से अधिक आयु समूह के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण किया जाएगा। इस प्रकार 45 वर्ष से अधिक आयु के लोग आन स्पाट बुकिंग कराकर भी टीका लगा सकेंगे। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के लोगों को टीका लगवाने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 28 अप्रैल से प्रारंभ हो चुकी है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने की प्रक्रिया के बारे मे जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वर्षा कुरील ने बताया कि, कोविड-19 टीकाकरण के लिए हितग्राही अपनी एडवासं बुकिंग कोविन 2.0 पोर्टल पर करवा सकते हैं। इस वेबसाइट पर हितग्राही को अपना मोबाईल नंबर दर्ज करना होगा, नंबर दर्ज करने के बाद एक ओटीपी आएगा जिसे दर्ज करना होगा। इसके बाद नाम, उम्र, लिंग आदि की जानकारी के साथ अटैच किए गए आईडी के आधार पर दर्ज करना होगा। इसके बाद केन्द्र का नाम, दिनांक आदि की जानकारी अपनी सुविधा अनुसार दर्ज कर सकते हैं तथा संबंधित दिनांक को आपके द्वारा चाहे गए केन्द्र पर अटेच की गई आईडी संबंधी दस्तावेज लेकर टीकाकरण करवा सकते हैं।

टीकाकरण के बाद भी मास?क लगाए, दो गज की दूरी का पालन करें, अपने हाथों को नियिमित रूप से धोएं, भीड-भाड वाले स्थानों पर जाने से बचें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422